राजस्थान का तेजी से लोकप्रिय होता अखबार | जयपुर, रविवार, 31 मई, 2026 | राज्य सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

सुविचार

हर सुबह नई ताकत लाती है, बस दिल खोलकर स्वीकार करो।

हमारा समाचार

@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
9461162346

दैनिक | वर्ष-13 | अंक : 02 | प्रातः कालीन | मूल्य : 3.00 रुपए | पृष्ठ : 8 | hamarasamachar02gmail.com

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस से 'हमारा समाचार के महाअभियान का नया चरण' • देश और प्रदेश के एनजीओ और सामाजिक संगठनों के सहयोग से होगा महाअभियान का आगाज

'फाइनल चैप्टर', अब तम्बाकू के खिलाफ आर-पार की जंग!

• अब जागरूकता के साथ कार्रवाई की बारी, 'तम्बाकू एंडगेम शुरू' • कैंसर, हृदय रोग, युवाओं की लत और कमजोर कानून, पिछले 6 भागों में उठे कई असहज लेकिन जरूरी सवाल • जनता में जागरूकता बढ़ी लेकिन अब प्रशासनिक कार्रवाई और सख्त प्रवर्तन की सबसे बड़ी जरूरत • राजस्थान बन सकता है 'टोबैको फ्री जनरेशन नीति लागू करने वाला देश का अग्रणी राज्य, बस इच्छाशक्ति जरूरी

हमारा समाचार का तम्बाकू मुक्त राजस्थान अभियान पार्ट- 7

हमारा समाचार @ जयपुर

जयपुर। आज यानी 31 मई को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित विश्व तम्बाकू निषेध दिवस। आज से ही 'हमारा समाचार का तम्बाकू मुक्त राजस्थान महाअभियान एक निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है। पिछले कई सप्ताहों से चल रही इस विशेष श्रृंखला ने तम्बाकू से जुड़े उन पहलुओं को सामने रखा, जिन पर अक्सर चर्चा तो होती है, लेकिन कार्रवाई बहुत कम दिखाई देती है। कैंसर और हृदय रोगों से लेकर युवाओं में बढ़ती लत, स्कूलों के आसपास तम्बाकू उत्पादों की उपलब्धता, कानूनों की कमजोर पालना, गुटखा-जर्दा उद्योग की कारोबारी रणनीतियां, अलग-अलग बिकने वाले सैशों का जाल और 'टोबैको फ्री जनरेशन जैसी नीतिगत जरूरतों तक इस अभियान ने समाज, सरकार और नीति निर्माताओं के सामने कई असहज लेकिन जरूरी सवाल खड़े किए हैं। अब यह अभियान केवल जागरूकता की मुहिम नहीं रहा। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस से इसकी शुरुआत एक व्यापक जनआंदोलन के रूप में हो रही है, जिसका लक्ष्य केवल तम्बाकू नियंत्रण नहीं बल्कि तम्बाकू से होने वाले सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय नुकसान के खिलाफ सामूहिक संघर्ष खड़ा करना है। यही कारण है कि 'हमारा समाचार आज से 'तम्बाकू एंडगेम की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए इस महाअभियान के नए चरण की शुरुआत कर रहा है।

इस अभियान को प्रदेश के चिकित्सकों, जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों और नशामुक्ति कार्यकर्ताओं का लगातार समर्थन मिल रहा है। आसरा फाउंडेशन, राजस्थान कैंसर फाउंडेशन, सलाम बॉम्बे फाउंडेशन, वाग्धारा, गांधी फाउंडेशन के 'ऑपरेशन जीत अभियान, ह्यूमन केयर मेडिकल सोसायटी सहित अनेक संस्थाओं के प्रयास अब एक साझा लक्ष्य की ओर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं एक ऐसा राजस्थान जहां आने वाली पीढ़ियां तम्बाकू की गिरफ्त में न फंसें। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 पर इस महाअभियान का संदेश स्पष्ट है अब लड़ाई केवल तम्बाकू उत्पादों के खिलाफ नहीं, बल्कि कैंसर, नशे, पर्यावरणीय विनाश, जल संसाधनों की बर्बादी और युवाओं को निशाना बनाने वाली उस पूरी व्यवस्था के खिलाफ है जो तम्बाकू उद्योग को लगातार ताकत देती है। राजस्थान को तम्बाकू मुक्त बनाने की दिशा में यह संघर्ष आज से एक नए संकल्प, नई ऊर्जा और नए लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर एक ऐसा पहलू सामने आया है, जिस पर अब तक अपेक्षाकृत कम चर्चा हुई।

तम्बाकू के कारण कश्मीर से कन्याकुमारी ही नहीं, बल्कि श्रीलंका तक (लगभग 3700 Km.) पानी से भरे टैंकरों की कतार जितना पानी, हर वर्ष बर्बाद

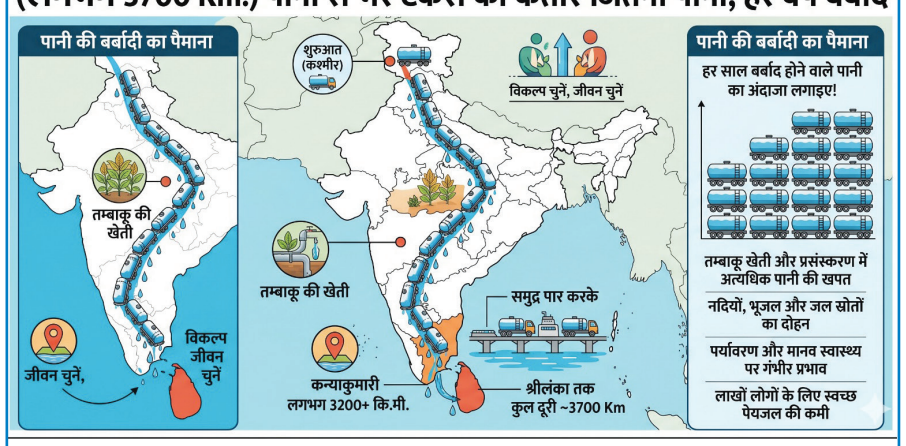

• तम्बाकू केवल स्वास्थ्य का दुश्मन नहीं है, बल्कि यह जल संसाधनों और पर्यावरण पर भी भारी बोझ डाल रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तम्बाकू नियंत्रण को केवल स्वास्थ्य नीति के रूप में नहीं, बल्कि जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास की रणनीति के रूप में भी देखना होगा।

कई अहम मुद्दों को उठा चुका हमारा समाचार, जनता जागरुक; अब प्रशासन की बारी

'हमारा समाचार की इस श्रृंखला में पहले भी यह मुद्दा उठाया गया था कि गुटखा, जर्दा और पान मसाला उत्पादों की अलग-अलग बिक्री कोई संयोग नहीं बल्कि एक सुनियोजित व्यावसायिक रणनीति है, जो युवाओं और नए उपभोक्ताओं को तम्बाकू की ओर आकर्षित करती है। इसीलिए दुनिया के कई देशों में अब केवल 'तम्बाकू नियंत्रण नहीं बल्कि 'तम्बाकू एंडगेम की अवधारणा पर काम हो रहा है। इसका उद्देश्य तम्बाकू उपभोग को धीरे-धीरे समाप्त करना और ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो कभी तम्बाकू उत्पादों की ग्राहक ही न बने।

राजस्थान बन सकता है देश का मॉडल राज्य; राजस्थान में पहले से ही तम्बाकू मुक्त स्कूलों, जनजागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर काम हो रहा है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अब समय आ गया है जब राज्य एक व्यापक 'टोबैको फ्री जनरेशन पॉलिसी पर विचार करे। यदि स्कूलों और कॉलेजों के आसपास बिक्री पर सख्ती, ऑनलाइन और प्रत्यक्ष प्रचार पर नियंत्रण, युवाओं को लक्षित जागरूकता अभियान, नशामुक्ति सेवाओं का विस्तार और कठोर प्रवर्तन एक साथ लागू किए जाएं, तो राजस्थान देश के लिए एक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 केवल एक प्रतीकात्मक दिवस नहीं है। यह उस संघर्ष का नया अध्याय है जिसमें स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ चुके हैं। यह स्पष्ट संदेश देता है कि लड़ाई केवल सिगरेट, गुटखा या जर्दे के खिलाफ नहीं है। यह लड़ाई कैंसर के खिलाफ है, नशे के खिलाफ है, जल संसाधनों की बर्बादी के खिलाफ है और उस व्यवस्था के खिलाफ है जो युवाओं को तम्बाकू उद्योग का नया ग्राहक बनाने की कोशिश करती है।

सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरे समाज को बर्बाद कर रहा तंबाकूः डॉ. रमेश गांधी;

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 2026 पर जब पूरी दुनिया तम्बाकू से होने वाले कैंसर, हृदय रोग और श्वसन संबंधी बीमारियों की चर्चा कर रही है, तब एक ऐसा पहलू भी सामने आ रहा है जिस पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया है। यह पहलू है—तम्बाकू उद्योग द्वारा पानी की भारी बर्बादी। जल संकट से जूझती दुनिया में तम्बाकू केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का भी बड़ा दुश्मन बन चुका है। स्वास्थ्य एवं प्रबंधन विशेषज्ञ तथा डब्ल्यूएचओ सिविल सोसायटी कमीशन की वर्किंग ग्रुप के सदस्य डॉ. रमेश गांधी के अनुसार, एक सिगरेट के निर्माण की पूरी प्रक्रिया में औसतन 3.7 लीटर पानी की खपत होती है। पहली नजर में यह आंकड़ा छोटा लग सकता है, लेकिन जब इसे भारत में हर वर्ष बनने वाली लगभग 10 हजार करोड़ सिगरेटों के संदर्भ में देखा जाता है तो तस्वीर बेहद चिंताजनक हो जाती है। इस उत्पादन के लिए करीब 37 हजार करोड़ लीटर पानी खर्च होता है, जो किसी भी जल संकटग्रस्त देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस पानी की मात्रा को समझना भी आसान नहीं है। यदि 10 टन क्षमता वाले पानी के टैंकरों में इस पानी को भरा जाए तो करीब 3 करोड़ 70 लाख टैंकरों की आवश्यकता होगी। इन टैंकरों को यदि एक कतार में खड़ा कर दिया जाए तो यह कतार केवल कश्मीर से कन्याकुमारी तक ही नहीं, बल्कि लगभग 3700 किलोमीटर दूर श्रीलंका के अंतिम छोर तक पहुंच सकती है। यह आंकड़ा बताता है कि हर वर्ष कितना विशाल जल संसाधन धुएं और राख में तब्दील हो रहा है।

सीएनजी से भरा ट्रेलर पलटाः गैस रिसाव से गांव में दहशत

तीन दमकलें मौके पर बुलाकर लीकेज रोका

हमारा समाचार @ जयपुर

बिंदायका थाना क्षेत्र के सिरसी रोड स्थित निमेड़ा गांव में शनिवार सुबह टोरेंट सीएनजी गैस सिलेंडरों से भरा एक ट्रेलर पलट गया। हादसे के बाद ट्रेलर में लदे गैस सिलेंडरों से रिसाव शुरू हो गया, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर तेज गति में था और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पोल से टकरा गया। जिससे ट्रेलर पलट गया। हादसे के बाद कुछ सिलेंडरों से गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। थाना प्रभारी विनोद वर्मा ने बताया कि सीएनजी गैस से भरा ट्रेलर बिंदायका पंप से भाकरोटा जा रहा था। अल सुबह होने के कारण ड्राइवर को झपकी आने के कारण पोल से टकराकर पलट गया। ड्राइवर को चोट आई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने अन्य टीमों के साथ राहत बचाव कार्य शुरू किया। ट्रेलर पलटने से यहां कुछ सिलेंडर से गैस रिसाव शुरू हो गया था। करीब 10 से ज्यादा सिलेंडरों से गैस रिसाव हो रहा था। मौके पर पहुंची टीमों ने गैस सिलेंडरों को आबादी एरिया से दूर करके रेस्क्यू किया। हादसे में गैस रिसाव हुआ लेकिन किसी तरह की आग नहीं लगी।

एहतियात तौर पर आस पास की आवाजाही रोकी

घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम डॉ. खुशबू शर्मा और बिंदायका थाना प्रभारी विनोद कुमार भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एहतियात के तौर पर आसपास के क्षेत्र में लोगों की आवाजाही सीमित की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रक ड्राइवर की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। बिंदायका क्षेत्र में गैस रिसाव से जुड़ा यह चौथा मामला बताया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

दिन में ही छाया अंधेरा • यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 48 मौत, बारिश का अलर्ट जारी

राजस्थान के चार जिलों में रेतीला बवंडरः पाकिस्तान से उठे तूफान ने बदला मौसम

हमारा समाचार @ जयपुर

राजस्थान के 4 जिलों चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर और सीकर में शनिवार दोपहर रेतीला तूफान आया है। इसके कारण दिन में ही अंधेरा छा गया। यहां 60-80kmph की रफ्तार से आंधी चली है। दरअसल, पाकिस्तान से उठे तूफान का असर राजस्थान के बॉर्डर वाले जिलों पर हुआ है। तूफान के कारण दिन में लोगों को वाहनों की हेडलाइट जलानी पड़ गई। इसके कई वीडियो सामने आए हैं। इनमें लोग भागकर घरों में जाते दिखे और घरों को बंद कर लिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसा रेतीला तूफान पहले कभी नहीं देखा। उदयपुर सहित कई जिलों में शनिवार सुबह बारिश हुई। बॉर्डर वाले जिले श्रीगंगानगर में सुबह करीब 11 बजे आई आंधी के कारण शहर में धूल छा गई। कई जगह रेत का बवंडर जैसा सीन नजर आया। ऐसा ही नजारा चूरू और बीकानेर में भी दिखा। धूल का गुबार सीकर के फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ एरिया में भी छाया।

मानसून 7 दिनों में केरलम पहुंचेगा; मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अगले 7 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। IMD के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है।

राजस्थानः राजस्थान में शनिवार को 30 जिलों में आंधी के साथ ओले और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने से मौसम बदल गया है। शुक्रवार को चूरू, हनुमानगढ़, बीकानेर, सीकर, अलवर, जयपुर, भरतपुर, झुंझुनूं, करौली में बारिश के साथ ओले गिरे। तापमान 10 डिग्री तक कम हो गया।

उत्तर प्रदेशः यहां पिछले 24 घंटे में आंधी-तूफान की वजह से 31 लोगों की मौत हो गई है। सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पहाड़ी से तेज बहाव के साथ पानी नीचे आ गया। इससे इनोवा-ट्रैक्टर समेत 10 गाड़ियां बह गईं। आज भी सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

बिहारः यहां पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हुई है। पटना में बारिश के चलते 4 फ्लाइट डायवर्ट की गईं। जबकि 18 फ्लाइट लेट रहीं। इससे करीब 500 से ज्यादा यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर ट्रेनें भी समय पर रवाना नहीं हो सकीं।

झारखंडः आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। रांची के इटकी क्षेत्र में एक बच्ची की मौत हो गई। जबकि बोकारो, गढ़वा और धनबाद में भी आंधी-बारिश से 3 लोगों की जान चली गई। पिछले 24 घंटे में 8.6 डिग्री तक तापमान गिर गया

• 31 मईः हिमाचल प्रदेश के 10 जिलों में आंधी, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। 4 जून तक बारिश जारी रहने का अनुमान है। उत्तराखंड में भी हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अनुमान है।

• 1 जूनः बिहार में 80 से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली आंधी और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। IMD ने तमिलनाडु में भी शुक्रवार और शनिवार को बारिश और तेज हवाओं का अनुमान जताया है।

अजमेरः दो दशक से आतंकवादी साया, फिर सामने आया कनेक्शन

हमारा समाचार @ जयपुर

दो दशकों से आतंकी संगठनों की नजर अजमेर पर है। पाकिस्तानी आतंकी संगठन आईएसआई और आईएसआईएस से जुड़े मॉड्यूल पहले भी रैकी कर चुके हैं। बीते तीन माह में दूसरी बार युवक की आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता सामने आई है। बीते मार्च में हरियाणा एटीएस ने लौंगिया मोहल्ला निवासी अली अकबर उर्फ बाबू को पकड़ा था। अब एनआइए ने परमेश मीणा को पकड़ा है। इससे खुफिया एजेंसियां और पुलिस अलर्ट मोड पर हैं। पुलिस को अली अकबर और परमेश के अलावा भी अजमेर में पाक आतंकी शहजाद भट्टी के किसी संगठन से जुड़ाव की आशंका है।

पहले पकड़ा गया था ऑटोरिक्शा चालकः बीती 15 मार्च में अंबाला में हरियाणा एटीएस ने पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी से संपर्क रखने के आरोप में दो साथियों को 2 किलो आरडीएक्स सहित पकड़ा था। इनमें दरगाह लौंगिया गली नम्बर-1 निवासी ऑटो रिक्शा चालक अली अकबर उर्फ बाबू भी शामिल था। अली अकबर मूलतः अजमेर के पीसांगन थाना क्षेत्र के गोविन्दगढ़ का निवासी है। उसके पिता मोहम्मद रमजान रोडवेज से सेवानिवृत्त हैं। बड़ा भाई अली असगर गेस्ट हाउस में नौकरी करता है।

आतंकी अशरफ रहा था दो सालः अक्टूबर 2021 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकी मोहम्मद अशरफ भी पत्नी के साथ देहली गेट क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल पर दो साल तक रहा। वह झाड़-फूंक करने की आड़ में इलाके की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। अशरफ ने अजमेर में फर्जी दस्तावेज भी तैयार करवा लिए थे।

आतंकी गतिविधियों की शहर में प्रमुख घटनाएं

2003; आतंकी डेविड कॉलमैन हेडली ने पुष्कर के यहूदी धर्मस्थल बेदखबाद की रैकी की।
2006; गेगल थाना पुलिस ने हथियारों का जखीरा लेकर जा रहे आतंकी मोहम्मद शब्बीर को गिरफ्तार किया।
2007; अजमेर दरगाह परिसर में बम विस्फोट हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत और कई घायल।
2010; कर्नाटक एटीएस ने आतंकी युसूफ उर्फ उमर को गिरफ्तार किया। उसने दरगाह और पुष्कर क्षेत्र की रैकी करना कबूला।
2016; आईएसआईएस टेरर मॉड्यूल के सदस्य मोहम्मद इब्राहिम राजदानी और हबीब मोहम्मद इलियासी दरगाह क्षेत्र के धानमंडी इलाके में चार दिन होटल में ठहरे। बाद में वे इंदौर के रास्ते लौटते समय एनआइए के हत्थे चढ़े।
2021; दिल्ली में गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकी मोहम्मद अशरफ के अजमेर में दो साल तक छिपकर रहने का खुलासा हुआ।

ब्लैकमेलर मास्टर माइंड युवती का दोस्त दिल्ली से गिरफ्तार

हमारा समाचार @ जयपुर

हनीट्रैप में फंसाकर बिजनेसमैन को ब्लैकमेल करने वाली युवती के मददगार दोस्त को भी महेश नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने युवक को दिल्ली से शुक्रवार रात को पकड़ा है।

एसएचओ सुरेश यादव ने बताया कि मामले में दिल्ली के द्वारका में रहने वाले 30 साल के युवक को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले ब्लैकमेलर मास्टर माइंड युवती को जोधपुर से पकड़ा गया था। युवती ने पूछताछ के दौरान अपने साथी का नाम बताया था। युवक के अकाउंट में ही ब्लैकमेलिंग के पैसे डलवाए गए थे। उल्लेखनीय है कि सांगानेर निवासी 42 साल के बिजनेसमैन ने जुलाई 2025 में महेश नगर थाने में FIR दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया था कि साल 2017 में उनकी कंपनी से समर इंटर्न कर युवती ने जॉब शुरू की थी। आरोप है कि उसने सोशल मीडिया के जरिए उससे संपर्क करने की कोशिश की। उस पर ध्यान नहीं देने पर मेरी पत्नी से दोस्ती कर मिलना-जुलना शुरू कर दिया। इसके बाद मुझे झूठे प्रेमजाल में फंसाकर रुपए वसूलना शुरू कर दिया। शादी का झांसा देकर झूठ बोलकर अलग-अलग तरीके से युवती ने 90 लाख रुपए ऐंठ लिए। जिसके बाद रुपए देने से मना करने पर रेप केस में फंसाने की धमकी देना शुरू कर दिया। झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रुपए की डिमांड की।

भैराणा धाम प्रकरण को लेकर राजनीतिक गर्माहट जारी • आरएलपी मुखिया सांसद हनुमान बेनीवाल पर ज्योति मिर्धा का 'वार'

'विधायक ज़ीरो और बातें करते हैं मुख्यमंत्री बनने की'

हमारा समाचार @ जयपुर

भैराणा धाम प्रकरण को लेकर राजनीतिक गर्माहट जारी है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के मुखिया और नागौर के वर्तमान सांसद हनुमान बेनीवाल के खिलाफ बेहद आक्रामक मोर्चा खोल दिया है। भाजपा के सांगठनिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए कुचामन पहुंचीं डॉ. ज्योति मिर्धा ने मीडिया से बातचीत के दौरान बेनीवाल की कार्यशैली, उनके बयानों और उनकी राजनीति के तौर-तरीकों पर तीखे तंज कसे। ज्योति मिर्धा ने साफ तौर पर आरोप लगाया कि भैराणा धाम जैसे विशुद्ध रूप से धार्मिक और स्थानीय जन-आस्था से जुड़े संवेदनशील मुद्दे को हनुमान बेनीवाल और उनकी पार्टी आरएलपी द्वारा केवल अपने राजनीतिक स्वार्थ और घटते जनाधार को वापस पाने के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश की गई है। मिर्धा के इस बयान के बाद नागौर और मारवाड़ संभाग के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं, क्योंकि यह विवाद उस पुराने राजनीतिक इतिहास से जुड़ा है जो मारवाड़ के दो सबसे बड़े जाट परिवारों और नेताओं के बीच पिछले 12 वर्षों से लगातार चला आ रहा है।

'भैराणा धाम मामले को आरएलपी ने दिया राजनीतिक रंग'

कुचामन में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए डॉ. ज्योति मिर्धा ने भैराणा धाम विवाद की पूरी पृष्ठभूमि को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि भैराणा धाम

का मामला स्थानीय संत समाज, साधु-संतों की गरिमा और आम जनता की गहरी धार्मिक श्रद्धा से जुड़ा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय और प्रादेशिक नेता इस मुद्दे की संवेदनशीलता को शुरुआत से ही समझते थे और इस विषय को लेकर बेहद गंभीर थे। ज्योति मिर्धा ने दावा किया कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने साधु-संतों की सभी तार्किक मांगों और उनकी चिंताओं को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पूरी जिम्मेदारी के साथ पहले ही पहुंचा दिया था। प्रशासनिक स्तर पर भी जिला प्रशासन और संत समाज के बीच लगातार शांतिपूर्ण संवाद जारी था ताकि कानून सम्मत और सर्वमान्य समाधान निकाला जा सके। लेकिन इसी बीच सांसद हनुमान बेनीवाल और उनकी पार्टी आरएलपी ने पूरे शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने और इस धार्मिक आंदोलन को जबरन राजनीतिक रंग देने का प्रयास शुरू कर दिया, जो कि बेहद निंदनीय है।

'एक भी विधायक नहीं, दिखाते हैं सीएम की तरह'

हनुमान बेनीवाल की सांगठनिक ताकत और वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर प्रहार करते हुए डॉ. ज्योति मिर्धा ने उनकी कार्यशैली को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वर्तमान राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का एक भी विधायक (0 विधायक) नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उनके नेता हनुमान बेनीवाल हर मंच पर खुद को इस तरह प्रस्तुत करते हैं जैसे वे ही प्रदेश के मुख्यमंत्री हों या पूरी सरकार उन्हीं के इशारों पर चल रही हो।ज्योति मिर्धा ने बेनीवाल के इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि यह उनकी पुरानी आदत बन चुकी है कि वे चाहे किसी सामाजिक कार्यक्रम में जाएं, किसी के पारिवारिक समारोह जैसे मुंडन या जसूटन में शरीक हों, या फिर कहीं धार्मिक भागवत कथा के पंडाल में चले जाएं, वे हर पवित्र और व्यक्तिगत मंच का उपयोग केवल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और राजनीतिक भाषण देने के लिए ही करते हैं। मिर्धा ने आरोप लगाया कि बेनीवाल लगातार हल्की, अमर्यादित और विवादित भाषा का जानबूझकर उपयोग करते हैं ताकि वे सुर्खियों में बने रहें और इसके जरिए अपना राजनीतिक कद बड़ा दिखाने का असफल प्रयास कर सकें।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने 'एडल्ट वैक्सीनेशन' पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया

हमारा समाचार @ जयपुर

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने 'एडल्ट वैक्सीनेशन' विषय पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज के प्रो-चांसलर एवं सीनियर प्रोफेसर तथा राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, जयपुर के पूर्व वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। लेट्स टॉक अबाउट हेल्थ पहल के तहत और जीएसके के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में निवारक स्वास्थ्य उपायों, वैक्सीन जागरूकता और प्रमाण-आधारित स्वास्थ्य संचार के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. भंडारी ने कहा कि अधिकतर टीके बचपन में ही लग जाते हैं, लेकिन बूस्टर डोज़ न लेने और जागरूकता की कमी के कारण कई वयस्क अब भी विभिन्न संक्रमणों के खतरे के प्रति संवेदनशील बने रहते हैं। डॉ. भंडारी ने बताया कि फ्लू, शिंगल्स (हरपीज) और न्यूमोकोकल जैसे टीके प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं और संक्रमण से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करते हैं आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. पी.आर. सोडानी ने कहा, 'ऐसे प्रयासों के माध्यम से हमारा उद्देश्य स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक सार्वजनिक संवाद को बढ़ावा देना और रोगों की रोकथाम एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। '

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशध्यक्ष कैलाश आज टोंक आएंगे

हमारा समाचार @ टोंक

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी रविवार 31 मई 2026 को टोंक आएंगे। भाजपा किसान मोर्चा टोंक के जिला महामंत्री विनय सिंह ताखर ने बताया कि पूर्व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशध्यक्ष कैलाश चौधरी रविवार को प्रातः 10 बजे भाजपा जिला कार्यालय टोंक पहुंचेंगे ।जिनका भाजपा किसान मोर्चा की तरफ से भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह स्वागत कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व होगा। कार्यक्रम में जिला भाजपा के पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। जिला महामंत्री विनय सिंह ताखर ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी भाजपा जिला कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यकर्ताओं के साथ सुनेंगे।साथ ही संगठनात्मक विषयों पर कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह देवली का निरीक्षण,बच्चों का विशेष ध्यान रखने के दिए निर्देश

हमारा समाचार @ टोंक

अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक के सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया ने शनिवार को पंजीकृत मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह देवली का मासिक निरीक्षण किया । जिस दौरान उन्होंने बच्चों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान 86 बालकों का रजिस्ट्रेशन था जिनमें से कुल 35 बालक उपस्थित पाये गये, शेष बालकों का ग्रीष्मावकाश में परिजनो के पास जाना जाहिर किया गया। न्यायाधीश दिनेश कुमार जलुथरिया ने देवली स्थित मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह मानव सेवा संस्थान में भवन की स्थिति, बच्चों के लिए बिस्तरों आदि की पर्याप्त व्यवस्था, खेल कूद के लिए परिसर, बच्चों की शिक्षा संबंधी जानकारी, भोजन की गुणवत्ता, डाइट स्केल, भवन की साफ-सफाई, मनोविज्ञानी व स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उपस्थित सुपरवाईजर आशा शर्मा को बालकों का विशेष ध्यान रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हरि ने खूब रचायो रास, गोपियां नाचन आई रे... रासलीला मंचन ने बांधा समां

हमारा समाचार @ खाटूश्यामजी

खाटूधाम के श्री राधावल्लभ मंदिर परिसर गुवाड़ चौक में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन दशम स्कन्ध की रासलीला का सुंदर एवं सजीव मंचन किया गया। आयोजक परिवार की बालिकाओं ने श्रीकृष्ण, राधा और गोपियों का मनमोहक स्वरूप धारण कर भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि रासलीला प्रारंभ होते ही पूरा कथा पंडाल भक्तिमय माहौल में डूब गया। 'राधा की पायल छम-छम नाचे' एवं 'राधे का श्याम दीवाना' जैसे मधुर भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे और नृत्य किया। सज्जन कुमार शर्मा ने बताया कि अकिंचन कथा वाचक ने अपनी प्रभावशाली वाणी से अक्रूर द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को गोकुल से ले जाने की मार्मिक कथा का वर्णन किया। कथा सुनकर श्रद्धालु भावुक हो गए और अनेक श्रोताओं की आंखें नम हो गईं।

आयोजक परिवार के प्रेमशंकर शर्मा ने बताया कि कथा में संत समाज से का शुभ आगमन हुआ। यजमान परिवार के मुखिया राधेश्याम गुमानीरामका ने परिवार सहित संत पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अंत में भागवत भगवान की आरती उतारी गई तथा यजमान परिवार की ओर से टॉफी, खिलौने, फल, मधुर पेय एवं मिठाइयों का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्रीमाधोपुर निवासी राजेन्द्र कुमार लोकनाथका, राजेन्द्र सरोज, शम्भूदयाल धर्ड, शम्भूदयाल शर्मा, सत्यनारायण रंगलालका सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

धर्म स्थली: करोड़ों श्रद्धालु आते हैं, फिर भी सीवरेज व्यवस्था नहीं

बरसात से पहले फिर मंडराया संकट, ओवरफ्लो नालों, जलभराव और खुले चेम्बरों से हादसे का खतरा

हमारा समाचार @ खाटूश्यामजी

विश्व प्रसिद्ध बाबा श्याम की धार्मिक नगरी खाटूधाम में करोड़ों श्रद्धालुओं का आवागमन होता है, लेकिन आज भी यहां समुचित सीवरेज व्यवस्था नहीं है। वर्षों से सीवरेज की मांग उठ रही है, लेकिन स्थाई समाधान नहीं निकल पाया है। नतीजतन हर बरसात में गंदे पानी, ओवरफ्लो नालियों, जलभराव और दुर्गंध की समस्या सामने आती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्षों पहले मिनी सीवरेज के नाम पर डाले गए नाले बरसात में ओवरफ्लो हो जाते हैं और कई बार चेम्बरों के ढक्कन तक खुल जाते हैं। पिछले वर्ष शनि मंदिर क्षेत्र में कई दिनों तक गंदा पानी सड़क पर बहता रहा, जिसके बाद प्रशासन को राहत कार्य करना पड़ा, लेकिन अगले ही दिन हालात फिर पहले जैसे हो गए। शनि मंदिर से गणेशदास बाबा मंदिर मार्ग, होटल खाटूश्यामजी पैलेस क्षेत्र, लामियां तिराहा, मुख्य बाजार, पुलिस थाने के पीछे और कैरपुरा तिराहा सहित कई क्षेत्रों में हर वर्ष यही समस्या सामने आती है। कई जगह गंदा पानी घरों और दुकानों तक पहुंच जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के दावों के बावजूद खाटू की सबसे बड़ी मूलभूत आवश्यकता–सीवरेज व्यवस्था–आज भी अधूरी है। बरसात के दौरान खुले चेम्बर भी हादसों का खतरा बढ़ा देते हैं। लोगों का कहना है कि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो किसी श्रद्धालु या स्थानीय व्यक्ति के साथ बड़ा हादसा हो सकता है।

विकास कार्यों के बड़े दावों के बीच श्याम नगरी की सबसे मूलभूत समस्या आज भी जस की तस

क्या कहते हैं अधिकारी

'बरसात के मौसम को देखते हुए नगर पालिका की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शनिवार को अवकाश होने के बावजूद टीम के साथ विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर उन स्थानों का सर्वे किया गया, जहां जलभराव या मिनी सीवरेज नालों के ओवरफ्लो होने की समस्या सामने आती है। जून के प्रथम सप्ताह तक सभी प्रमुख नालों की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा ताकि बरसात के दौरान आमजन और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। सीवरेज परियोजना को लेकर डीपीआर तैयार हो चुकी है तथा नगर पालिका स्तर पर प्रथम चरण के कार्य की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। इस संबंध में श्री श्याम मंदिर कमेटी से भी सकारात्मक चर्चा हुई है। हमारा प्रयास है कि खाटूधाम में शीघ्र ही समुचित सीवरेज व्यवस्था विकसित हो और वर्षों पुरानी इस समस्या का स्थाई समाधान किया जा सके।

ओमप्रकाश चौधरी
(अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका खाटूश्यामजी)

क्या कहते हैं स्थानीय लोग

'हमारा निवास शनि मंदिर के पास है। कई वर्षों से शनि मंदिर से श्यामकुंड मार्ग तक के हालात बेहद खराब हैं। बरसात के मौसम में नालियां जाम हो जाती हैं और गंदा पानी सड़क पर बहने लगता है, जिससे आमजन और श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है। आज तक कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला गया। सिर्फ नालियां साफ कर खानापूर्ति कर दी जाती है। हमारी मांग है कि खाटूश्यामजी में समुचित सीवरेज व्यवस्था हो ताकि यह समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो सके। '

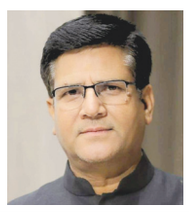

श्याम सुंदर शर्मा
(शिक्षाविद एवं आम नागरिक, खाटूश्यामजी)

राधेश्याम कुमावत
(स्थानीय नगरवासी, खाटूश्यामजी)

'शनि मंदिर से बाबा गणेशदास मंदिर की तरफ बरसात के दौरान या मिनी सीवरेज नालों के ओवरफ्लो होने पर चेम्बरों के ढक्कन खुल जाते हैं। गंदा पानी सड़क और घरों के सामने जमा हो जाता है। इससे दुर्गंध फैलती है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई स्थाई समाधान नहीं हुआ। वर्षों पहले डाले गए ये नाले शुरू से ही समस्या बने हुए हैं। शिकायतों और समाचारों के बावजूद सिर्फ जुगाड़ और आश्वासन मिलते हैं, सीवरेज व्यवस्था आज तक नहीं आई।

उनियारा ब्लॉक के मोर झालना की झोपड़ियां में 6 अवैध जल कनेक्शन हटाएं

हमारा समाचार @ टोंक

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खंड टोंक पेयजल वितरण लाइनों में अवैध कनेक्शनों को हटाकर पेयजल की आपूर्ति में सुधार के लिए त्वरित कार्यवाही कर रहा है। इस से आमजन को राहत मिल रही है। अधिशाषी अभियंता आकाशदीप सिंह गुर्जर ने बताया कि प्रोजेक्ट के अधीक्षण अभियंता के निर्देश पर शनिवार को सहायक अभियंता धर्मराज मीणा के नेतृत्व में टीम ने उनियारा ब्लॉक के मोर झालना की झोपड़ियां व घोड़ों की झोपड़िया में अवैध जल कनेक्शन को हटाने का अभियान चलाया, जिसके परिणाम स्वरूप 160 एम.एम की डीएम पाइप लाइन में 6 अवैध जल कनेक्शन हटाएं गए। साथ ही अवैध कनेक्शन करने वालों ने पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया था, इसे पुनः रिपेयर करवा कर पेयजल सप्लाई सुचारु की गई। टीम ने इन अवैध कनेक्शनों की पहचान करने के लिए विस्तृत निरीक्षण किया, जिन्हें विभागीय नियमों के अनुसार तुरंत हटा दिया गया। अवैध कनेक्शन करने वालों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुए दण्डात्मक शुल्क लगाया जाएगा,ताकि भविष्य में अवैध कनेक्शनों की पुनरावृत्ति ना हो। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अवैध कनेक्शन की पुनरावृत्ति होती है, तो दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की जाएगी। जलदाय विभाग लगातार अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ अभियान चला रहा है।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर मंगलानंद सेवा संस्था ने दिया सेवा का संदेश

नेकी की दीवार योजना के तहत लगाए गए दाना पानी आवास के परिंडे

हमारा समाचार @ सांभरलेक

सांभर कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र में हिन्दी पत्रकारिता दिवस ज्येष्ठ पूर्णिमा पर बेजुबान पक्षियों की सुनी पुकार,लगाएं परिंडे। जानकारी के अनुसार हर वर्ष की भांति इस बार भी सांभर कस्बे में संचालित मंगलानंद सेवा संस्था के द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए नेकी की दीवार योजना के अंतर्गत समाजसेवियों भामाशाहों के सहयोग से जगह जगह मंदिर परिसरों में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना पानी एवं आवास की व्यवस्था के लिए परिंडे लगाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस ज्येष्ठ पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सांभर कस्बे के ऐतिहासिक पुराणिक एवं धार्मिक सरोवर देवयानी स्थित मां अन्नपूर्णा के मंदिर परिसर में बेजुबान पक्षियों के परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी पुनीत पारीक सहित मंगलानंद समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष आनन्द प्रकाश वर्मा, समाजसेवी भोजराज तंवर, रामोतार शर्मा,सहित अनेकों गणमान्य जन, भक्तगण उपस्थित रहे।

ग़ौरतलब है कि सांभर कस्बे में संचालित मंगलानंद सेवा संस्था द्वारा लगातार मंदिर परिसर में बेजुबान पक्षियों के परिंडे लगाए जा रहे हैं, साथ ही संचालित करने की जिम्मेदारी लेने वाले समाजसेवियों को संस्था की ओर से पक्षियों के लिए दाना पानी डालने के साथ साथ पक्षियों के रहने की व्यवस्था के परिंडे के साथ साथ एक अनेकों प्रकार के मिश्रित अनाज का डिब्बा निशुल्क उपलब्ध कराया जाता रहा है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिलेभर में आयोजित हुईं विविध गतिविधियां

हमारा समाचार @ कोटपूतली

राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जिलेभर में जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता एवं श्रमदान आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न विभागों द्वारा जल स्रोतों की सफाई, जल संरक्षण संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रम, पौधारोपण, जल संकल्प एवं श्रमदान गतिविधियां आयोजित की गई। अभियान के माध्यम से आमजन को वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए नवीन कार्यों के प्रस्ताव, जलागम क्षेत्रों एवं चारागाहों के चिन्हीकरण, पौधारोपण एवं घास बुवाई कार्यों की तैयारियों तथा बीज बैंकों में गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही हरियालो राजस्थान अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण की तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए। अभियान के तहत चयनित ग्राम पंचायतों में जल चौपालों का आयोजन कर जल संरक्षण एवं जल संचयन संबंधी कार्यों पर चर्चा की गई। ग्रामीणों को जल स्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन संरचनाओं के रखरखाव तथा सामुदायिक सहभागिता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

जिला प्रशासन ने आमजन से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने तथा प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत आगामी दिनों में भी जिलेभर में विभिन्न जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

बिना अनुमति बन रही चार मंजिला इमारत की दीवार गिरी, बड़ा हादसा टला

पड़ोसी के आंगन में गिरा मलबा, चंद मिनट पहले अंदर गए थे बुजुर्ग; निर्माण कार्य की जांच और छत डालने पर रोक लगाने की मांग

हमारा समाचार @ टोंक

कोतवाली थाना क्षेत्र की अंबिका कॉलोनी में शनिवार तड़के एक निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत की दीवार पड़ोसी मकान के आंगन में गिरने से बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। पीड़ित परिवार ने इमारत के शेष हिस्से के भी गिरने की आशंका जताते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। अंबिका कॉलोनी निवासी गणेश चावला ने बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले किशन पहाड़िया द्वारा कथित रूप से नगर परिषद की स्वीकृति के बिना चार मंजिला मकान का निर्माण कराया जा रहा है। भवन की चौथी मंजिल का निर्माण कार्य जारी है और उस पर छत डालना बाकी है।

चावला का आरोप है कि उन्होंने निर्माणाधीन भवन की मजबूती को लेकर कई बार चिंता जताई थी और चौथी मंजिल पर छत डालने से पहले आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी थी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में टोके जाने पर निर्माण कार्य रोकने के बजाय उन्हें और उनके परिवार को धमकाया गया। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे निर्माणाधीन चौथी मंजिल की एक दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार का मलबा चावला के मकान और आंगन में आ गिरा। संयोगवश उस समय आंगन में कोई मौजूद नहीं था। चावला के अनुसार उनके पिता कुछ मिनट पहले ही आंगन से उठकर घर के अंदर गए थे। यदि वे वहीं होते तो गंभीर हादसा हो सकता था। घटना के बाद गणेश चावला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए निर्माण कार्य की जांच कराने, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा भवन की चौथी मंजिल पर छत डालने का कार्य तत्काल रुकवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन इमारत का शेष हिस्सा भी असुरक्षित प्रतीत हो रहा है, जिससे आसपास के मकानों और लोगों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। पुलिस और प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

नाबालिग से यौन शोषण का आरोप, 60 वर्षीय वृद्ध पर पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

हमारा समाचार @ टोंक

टोंक शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्चे के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार शाम की है। इसका पता नाबालिग बच्चे की बहन को लगने के बाद आरोपी 60 वर्षीय वृद्ध भाग छूटा। उसके बाद पूरा घटनाक्रम घरों वालों को बताया गया। बच्चे ने यह भी बताया कि आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर और पैसों का लालच देकर उसके साथ पहले भी एक बार यौन शोषण कर चुका है। आरोपी पीड़ित के मोहल्ले का है और घटना के बाद से फरार है। पुलिस ने आरोपी

के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

कोतवाली के सीआई भंवर लाल वैष्णव ने बताया कि पीड़ित परिवार की ओर से दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि 29 मई की शाम को आरोपी ने बच्चे को बुलाकर एक प्लाट में ले गया और उसका यौन शोषण किया। इस दौरान घटना को पीड़ित के बड़े भाई ने देख लिया और उसने शौर मचाकर लोगों को बुला लिया। इस पर आपपास के लोग घटना स्थल पर दौड़े और बच्चे को आरोपी के चंगल से बचाया। इस दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के समय आरोपी ने बच्चे के कपड़े उतार रखे थे और आरोपी बच्चे का यौन शोषण कर रहा था। इससे पहले भी आरोपी द्वारा बच्चे का यौन शोषण करना सामने आया है। इसमें कुछ दिन पहले भी आरोपी ने बच्चे को रुपए देने का लालच देकर एक मकान में ले गया था और उसका यौन शोषण किया।उस समय बच्चे के गुप्तांग पर सूजन और दर्द की शिकायत हुई। परिजनों ने डॉक्टर को दिखाया था।लेकिन बच्चा आरोपी की धमकी से इतना डरा हुआ था कि उसमें परिजनों को कुछ नहीं बताया। कोतवाली परिजनों के साथ पहुंचे बच्चे ने बताया कि पहले भी एक बार रुपयों का लालच देकर गलत काम कर चुका है। बालक गरीब परिवार से और पीड़ित पढ़ता नहीं है, वह घर पर ही रहता है।

गहलोद हाई लेवल ब्रिज पर आवागमन शुरू

औपचारिक रूप से आज सुबह 5 बजे सफलता पूर्वक खत्म हुई लोड टेस्टिंग प्रक्रिया, अब उद्घाटन का इंतज़ार

हमारा समाचार @ टोंक

टोंक के पास से गुजर रही बनास नदी पर करीब 135 करोड़ से बने राजस्थान के सबसे लंबे गहलोद हाई लेवल ब्रिज का लोड टेस्ट सफल रहने के बाद आज सुबह 7 बजे से इस पुल को आवागमन के लिए खोल दिया है। इसी के साथ इस पुल से अब लोगो की आवाजाही फिर से बन गई है। उधर अब लोगो में चर्चा जोरों पर है कि इसका विधिवत उद्घाटन कब होगा? स्वयं पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी सार्वजनिक रूप से मंच से कह चुके है कि सरकार हमारी यमी बने पुल के उद्घाटन में लेट लतीफे के रही है। PWD के XEN नागेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि आज सुबह 5 बजे तक पुल की लोड टेस्टिंग प्रक्रिया सफलता संपन्न हो गई है। अधिकतम पुल का डिफ्लेक्शन 92 प्रतिशत रिकवर हुआ है। जबकि जबकि आवागमन के लिए डिफ्लेक्शन 85 प्रतिशत रिकवर की ही जरूरत थी। उन्होंने बताया कि ब्रिज के लोड टेस्ट को पांच स्टेज

पर जांचा गया, जिसमें पुल की भार क्षमता, संतुलन और संरचनात्मक मजबूती का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान विभागीय व थर्ड पार्टी के तकनीशियन स्टाफ द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की गई एवं सभी तकनिकी मानको का पालन किया गया। लोड टेस्ट के सफल होने के बाद आज सुबह 7 बजे पुल से परिवहन शुरू कर दिया गया है। इस XEN परिहार के अलावा PWD के JEN ताराचंद बैरवा समेत अन्य विभागीय आधिकारियों, कर्मचारी और कार्यकारी एजेंसी के इंजीनियर आदि मौजूद थे।

इस तरह हुई लोड टेस्टिंग प्रक्रिया:

26 मई को दोपहर आवागमन बंद कर दिया है। दोपहर 1 बजे से दूसरे दिन 27 मई दोपहर 1 बजे तक तापमान में पुल का डिफ्लेक्शन की जांच की गई। फिर दोपहर 1 बजे से 27-27 टन वजनी 9 डंपरों को एक-एक घंटे के अंतराल में पुल पर 24 घंटे तक खड़ा किया है। फिर पुल का हर घंटे में डिफ्लेक्शन जांचा गया। इन्हें भी 24 घंटे बाद 29 मई सुबह 6 तक हटा लिया गया।

फिर 24 घंटे तक 30 सुबह 5 बजे तक पुल का डिफ्लेक्शन हर घंटे जांचा गया। इसमें शुक्रवार रात को ही पुल का डिफ्लेक्शन 92 प्रतिशत रिकवर हो गया। जबकि पुल पर आवागमन के लिए 85 प्रतिशत की ही जरूरत है।

सूने मकान को निशाना बनाकर चोर लाखों का माल ले गए

हमारा समाचार @ कोटा

कोटा ग्रामीण के सुल्तानपुर में चोरों ने सूने मकान को निशाना बना कर लाखों का सामान चुरा लिया। पीड़ित परिवार ईद मनाने के लिए केशोरायपाटन गया हुआ था। इसी दौरन सूने मकान का फायदा उठा अज्ञात चोर छत के रास्ते घर में घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित मुबारिक ने बताया कि आज सुबह वापिस लौटे तो सारा सामान बिखरा मिला था। अलमारी के ताले टूटे पड़े थे। चोर अलमारी से बच्चे की चांदी की पायल, पत्नी की पायजेब, सोने की बालियां और करीब 10 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए। बतादें, इससे पहले 1 मई को संजय नगर क्षेत्र में लाखों की चोरी हुई थी, जिसका पुलिस अभी तक सुराग नहीं लगा पाई। उस घटना के विरोध में सर्व ब्राह्मण समाज और व्यापार महासंघ ने 31 मई को सुल्तानपुर बंद और विरोध प्रदर्शन का आह्वान भी किया है। सुल्तानपुर थाना अधिकारी दौलत साहू ने बताया कि पीड़ित ने शिकायत में बताया कि वह ईद मनाने रिश्तेदार के घर गया था। शनिवार सुबह लौटने पर घर का सामान बिखरा मिला। मकान की छत के जाल में सेंध लगी हुई थी, जिससे चोर अंदर घुसा। आरोपी बेटी और पत्नी की चांदी की पाजेब सहित अन्य सामान चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

SMS हॉस्पिटल में छज्जा गिरने से युवक की मौत

हमारा समाचार @जयपुर

राजस्थान के सबसे बड़े सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में छज्जा गिरने से 1 युवक की मौत हो गई। 1 व्यक्ति घायल हो गया, जिसे ट्रॉमा सेंटर में इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया। हादसा शनिवार को दोपहर करीब 3 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि चरक भवन के पास बने डॉक्टर्स सेमिनार हॉल की बिल्डिंग का कुछ हिस्सा जर्जर हो चुका है, जिसके चलते इसके उपयोग को सीमित कर दिया गया था। शनिवार को जब छज्जे का हिस्सा गिरा तो बाहर 2 व्यक्ति सो रहे थे, जिनके ऊपर मलबा गिर गया। मलबे में दबने से दोनों व्यक्ति घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। मृतक का नाम सागर (40) निवासी केकड़ी बताया जा रहा है।

सांसद हनुमान की प्रेस वार्ता ; अन्याय के विरुद्ध जनता नहीं बैठेगी खामोश... आरएलपी ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

हमारा देश संविधान और कानून से चलता है, पंचायते भी आजकल किसी का सामाजिक बहिष्कार नहीं कर सकती

हमारा समाचार @ फुलेरा

जयपुर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा मीडिया के समक्ष उनका सामाजिक बहिष्कार करने को लेकर दिये गए बयान की कड़ी निंदा की,सांसद ने कहा यह देश संविधान और कानून से चलता है ऐसे में खाप पंचायते भी आजकल किसी का सामाजिक बहिष्कार नहीं कर सकती मगर सत्ताधारी दल के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सामाजिक बहिष्कार करने की बात कहना कानूनी की मर्यादाओं को लांगना है,बेनीवाल ने कहा कि अशोक गहलोत के कार्यकाल में हुए पेपर लीक, माफियाओं की मनमर्जी और अपराध से आहत होकर जनता ने भाजपा को वोट दिए मगर सत्ता में आते ही भाजपा बदल गई,उन्होंने कहा कि भाजपा जब विपक्ष में थी तब एक गाय का कंकाल मिलने पर प्रदेश भर में सत्ता के खिलाफ आवाज उठाने लग जाती मगर जैसलमेर में 500 गायों की मौत पर भाजपा चुप है ,उन्होंने मीडिया के माध्यम से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से प्रश्न पूछते हुए कहा कि चुनाव से पहले मोदी ने पेपर लीक माफियाओं को पाताल से भी निकाल कर सजा दिलवाने की बात कही मगर ढाई वर्षों में सरकार ने एक भी मगरमच्छ को नहीं पकड़ा है।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि पिछले चुनाव में तीन विधायक आरएलपी के थे मगर इस बार एक विधायक नहीं है मगर हनुमान बेनीवाल ने पार्टी बनाकर संदेश दिया कि राजस्थान में तीसरी ताकत खड़ी हो चुकी है और हम हर मोर्चे पर जनता के हक की लड़ाई लड़ रहे है। सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने उनके संदर्भ में सामाजिक बहिष्कार को लेकर जो बयान दिया उसको लेकर वो हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ताओं के संपर्क में है और मदन राठौड़ को इसका जल्द जवाब देना पड़ेगा। बेनीवाल ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि भैराणा धाम में हुई महापंचायत के बाद जब जयपुर कूच किया तब सरकार ने अगले दिन ईद को देखते हुए विवाद पैदा करने की फिराक में थी मगर हमने सरकार के मंसूबे कामयाब नहीं होने दिए। उन्होंने कहा कि गायों और साधु - संतो के नाम पर वोट लेकर भाजपा ने उनको भुला दिया, उन्होंने कहा कि राजस्थान में अपराध चरम पर है, बेरोजगारी चरम पर है मगर मुख्यमंत्री को इससे कोई मतलब नहीं है।

पत्रकारों ने सांसद से उनके द्वारा मुख्यमंत्री और कैबिनेट को लेकर दिये गए बयानों से जुड़ा प्रश्न पूछा तो सांसद ने कहा इतिहास में कालिदास का एक तथ्य सामने आता है कि वो जिस पेड़ पर बैठे थे उसी को काट रहे थे और आज भजनलाल भी उसी भूमिका में है वो जिस पेड़ पर बैठे हैं उसी को काटने में लगे है। सांसद ने कहा हम भैराणा धाम के आंदोलन में हमेशा संतो के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि वो कांग्रेस के उन नेताओं से मिले हुए जो विधानसभा में उनके खिलाफ बोलते है। उन्होंने कहा कुचामन में सड़क,पानी और बिजली के मुद्दे पर आरएलपी के कार्यकर्ता मदन राठौड़ से जवाब मांगने गए थे मगर मदन राठौड़ के पास कोई जवाब नहीं था,उन्होंने आरएलपी कार्यकर्ताओं पर पुलिस की कार्यवाही को निंदनीय बताया और कहा आरएलपी के कार्यकर्ता सत्ता की लाठी से डरने वाले नहीं है।

जोबनेर में आरएलपी ने किया विरोध प्रदर्शन, सीएम और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के पुतले फूंके

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के जोबनेर कस्बे के नावा चौराहे पर झोटवाड़ा और फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के आरएलपी कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का पुतला फूंक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के झोटवाड़ा विधानसभा प्रत्याशी जीवन सुंडा ने बताया कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का एक जिम्मेदार कार्यकर्ता होने के नाते सभी ने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र सहित जयपुर राजधानी और प्रदेश में लगातार बढ़ते अपराध, बिगड़ती कानून व्यवस्था, युवाओं के साथ हो रहे छल, किसानों की अनदेखी, भीषण पेयजल संकट, बेरोजगारी और भाजपा सरकार के अधूरे व झूठे वादों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। सरकार यह समझ ले कि जनता अब खामोश बैठने वाली नहीं है। हर झूठे वादे का हिसाब होगा, हर जनसमस्या पर जवाब देना होगा। जनता के विश्वास के साथ धोखा करने वालों को अब जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। साथ ही सुंड़ा ने बताया कि प्रदेश की जनता अपने हक की लड़ाई लड़ना जानती है और अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करना भी।

भाजपा सरकार सत्ता के मद में चूर, घोटा जा रहा लोकतंत्र का गला

सुंडा ने कहा कि दो दिन पहले तक पांच घंटे तक आरएलपी के सामने गिड़गिड़ाने वाली सरकार आज सत्ता के नशे में आरएलपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर लोकतंत्र का गला घोंट रही है। मैं सरकार को स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि आरएलपी का हर कार्यकर्ता संघर्ष से निकला है, डरने वाला नहीं। सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि RLP के संघर्ष की वजह से ही बोनट पर बैठकर सरकार को संतो के आंदोलन में झुकना पड़ा। तानाशाही के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। लोकतांत्रिक रूप से विरोध प्रदर्शन करना सभी का अधिकार है और लाठी के दम पर हमारी आवाज को सरकार दबा नहीं सकती। इस दौरान फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के आरएलपी अध्यक्ष गोपाल नासणवा, महेद्र सामोता , रमेश पलसालिया , सहित सैकड़ो आरएलपी कार्यकर्ता ने प्रदर्शन किया ।

पत्रकारिता पर बाजारवाद का कब्जा, भविष्य को लेकर चिंता

जार राजस्थान की ओर से हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष : भविष्य और चुनौतियों पर मंथन

हमारा समाचार @जयपुर

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की ओर से शनिवार को जयपुर स्थित रानी महल होटल में 'हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष : भविष्य एवं चुनौतियां' विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों और मीडिया शिक्षाविदों ने हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों के गौरवशाली इतिहास, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने देश के सामाजिक, राजनीतिक और लोकतांत्रिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन वर्तमान समय में बाजारवाद, सोशल मीडिया की प्रतिस्पर्धा, फेक न्यूज, पत्रकारों पर बढ़ते दबाव, पीत पत्रकारिता इसके सामने बड़ी चुनौतियां बनकर उभरे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं इतिहासकार जितेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पत्रकारिता का इतिहास राजा-महाराजाओं के दौर से लेकर अंग्रेजी शासन और स्वतंत्र भारत तक फैला हुआ है। हर दौर में पत्रकारों ने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए सच को सामने लाने का कार्य किया है।

पहले पत्रकारों के पास आज जैसी तकनीक और संसाधन नहीं थे, फिर भी वे निर्भीक होकर जनता की आवाज बनते थे। कई पत्रकारों को जेल जाना पड़ा, उत्पीड़न सहना पड़ा, यहां तक कि अपने प्राणों की आहुति भी देनी पड़ी, लेकिन उन्होंने सत्य का साथ नहीं छोड़ा। राजशाही काल में भी राजदरबार की सूचनाएं 'त्रिपोलिया गजट' के माध्यम से जनता तक पहुंचाई जाती थीं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार लल्लूलाल शर्मा रहे और समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने की। समारोह में स्वागत भाषण जार के प्रदेशाध्यक्ष संजय सैनी ने दिया। इस मौके पर जार जयपुर अध्यक्ष लेशिश जैन, महासचिव विशाल माथुर, जार ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेश शर्मा, महासचिव बजरंग शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया

उ. प. रेलवे ने तकनीकी सुधारों से संरक्षा को किया मजबूत

'संरक्षा सुदृढ़ करने का कर्तव्य' विषय पर संरक्षा अभियान।

हमारा समाचार @ फुलेरा

उत्तर पश्चिम रेलवे पर संरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए व्यापक स्तर पर आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। उ.प. रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार संरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए व्यापक स्तर पर आधुनिक तकनीकों के उपयोग से ट्रैक, सिग्नल एवं समपार फाटकों पर व्यापक स्तर पर संरक्षा कार्य किए जा रहे है। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा अप्रैल माह में लगभग 19 ट्रैक किलोमीटर का सीटीआर कार्य, 30 टर्न-आउटों का नवीकरण तथा 18 थिक वेब स्विच लगाए गए। साथ ही 18 टर्न-आउटों की डीप स्क्रीनिंग कर रेल पटरियों की मजबूती और संचालन की विश्वसनीयता को और सुदृढ़ किया गया। रेलवे द्वारा समपार फाटकों पर संरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समपार फाटको को इंटर लॉक किया तथा फाटको पर स्लाइडिंग बूम स्थापित किये गये। इसके साथ ही 'संरक्षा सुदृढ़ करने का कर्तव्य' विषय पर विशेष संरक्षा अभियान चलाकर संरक्षा को मजबूत किया गया। उ.प.रेलवे ने केवल रेल परिसरों तक ही नहीं, बल्कि आमजन तक भी सुरक्षा संदेश पहुंचाने का कार्य किया। ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, पेट्रोल पंपों,ढाबों,बस एवं टैक्सी स्टैंडों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाए गए। समपार फाटको पर पेम्फलेट वितरित कर सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया। संरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए रेलवे अधिकारियों द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर, बीकानेर, जयपुर एवं जोधपुर मंडलों में संरक्षा निरीक्षण भी किए गए। सुरक्षा को व्यवहारिक बनाने की दिशा में कर्मचारियों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अप्रैल माह में 541 कर्मचारियों ने पुनश्चर्या प्रशिक्षण तथा 356 कर्मचारियों ने अन्य सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी दक्षता को और मजबूत किया। उ.प.रेलवे आधुनिक तकनीक, सतत मॉनिटरिंग और जनसहभागिता के माध्यम से सुरक्षित, संरक्षित एवं विश्वसनीय रेलसेवा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

सांभर के दो खिलाड़ी करेंगे राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व

हमारा समाचार @ सांभरलेक

सांभर नगर पालिका के अध्यक्ष बालकिशन जांगिड व सांभर कॉलेज छात्रसंघ महासचिव धर्मेंद्र चावला द्वार खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया ओर स्पोर्ट्स बैग देके समानित किया सांभर स्पोर्ट्स फाउण्डेशन के 02 खिलाड़ी करेंगे राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व जयपुर के फुलेरा तहसील में स्थित सांभर स्पोर्ट्स क्लब के 20 खिलाड़ियों ने राज्य स्तर प्रतियोगिता में किया प्रतिनिधित्व इसी के साथ खिलाड़ियों का अच्छा प्रदर्शन होने पर 02 खिलाड़ी करेंगे राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता throw ball जूनियर बालक वर्ग में हुआ चयन 05 जून से 07 जून 2026 तक चल रहे गेम ब्यावर, राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बालक वर्ग में अखीराम चौधरी गिरिराज कुमावत राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। इसी के साथ सांभर स्पोर्टस फाउंडेशन के सचिव राजेंद्र कुमावत व उप सचिव जावेद खान कोशाध्यक्ष गोवर्धन कुमावत हेमराज चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया वह आगे भी सफलता ऐसे ही प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी।

कोटा में मौसम ने बदली करवट, तापमान 6 डिग्री लुढ़का

आंधी-बारिश से मिली राहत, पेड़ गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त; 1 जून तक बारिश का येलो अलर्ट

हमारा समाचार @ कोटा

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण कोटा में दिन और रात का तापमान गिर गया है। पिछली रात आंधी और बारिश से न्यूनतम तापमान 6 डिग्री, जबकि अधिकतम तापमान 2 डिग्री तक गिर गया। शनिवार को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही लगी रही। मौसम सुहावना होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने 1 जून को बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पिछली रात तेज आंधी से कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए। कई इलाकों में बार-बार बिजली गुल होने से रात में भीषण गर्मी में लोग परेशान होते रहे। नए कोटा में महावीर नगर सेक्टर 7 में घर के बाहर खड़ी कार पर एक बड़ा पेड़ टूटकर गिर गया, जिससे गाड़ी में काफी नुकसान हुआ। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

वहीं, महावीर नगर विस्तार योजना सेक्टर 1 में पार्क में एक भारी-भरकम पेड़ जमीन से उखड़ गया। गनीमत रही कि पेड़ पार्क की बाउंड्री पर लगी लोहे की रेलिंग पर जाकर ठहर गया।

रेलिंग के दूसरी तरफ गाड़ियां खड़ी हुई थीं।

सीकर में तेज आंधी का असर, होर्डिंग और बैरियर गिरे

हमारा समाचार @ अजमेर

राजस्थान के सरहदी जिलों से शुरू हुई आंधी का असर आज सीकर में भी देखने को मिला। सीकर में दोपहर 3:30 बजे के करीब अचानक आंधी का गुब्बार छा गया। इसके बाद करीब 10 मिनट तक 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली, हालांकि इस आंधी में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन शहर में जगह-जगह होर्डिंग फट गए और ट्रैफिक पुलिस के बैरियर भी गिर गए।

बदलाव वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने की वजह से आया है। इससे पहले सीकर में आज पूरे दिन धूप रही।

आगामी दिनों की बात करें तो सीकर में मौसम को लेकर कोई अलर्ट नहीं है।वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते आज सीकर में तापमान में बड़ी गिरावट आई। आज दिन में अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया, , जबकि इससे पहले शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 41 डिग्री था

वेतन बकाया से नाराज नर्सिंगकर्मी, एक जून से आंदोलन

कई महीनों से वेतन भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी, स्थायी समाधान की मांग।

हमारा समाचार @ अजमेर

अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल में पन्नाधाय प्लेसमेंट एजेंसी के तहत कार्यरत नर्सिंग कर्मियों ने लंबित वेतन और अन्य मांगों को लेकर अस्पताल प्रशासन के खिलाफ एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। नर्सिंग कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द स्थायी समाधान नहीं हुआ तो 1 जून से अस्पताल की कार्य व्यवस्था प्रभावित होगी और कर्मचारी कार्य बहिष्कार करेंगे। नर्सिंग एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विशाल पाराशर ने शनिवार को बताया कि पन्नाधाय प्लेसमेंट एजेंसी के अंतर्गत 227 कर्मचारियों की वित्तीय स्वीकृति है, जबकि वर्तमान में 238 कर्मचारी कार्यरत हैं। अतिरिक्त 11 कर्मचारियों के जॉइनिंग लेटर, अनुभव प्रमाण पत्र और वेतन भुगतान को लेकर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारियों का वेतन कई महीनों से लंबित है। हाल ही में अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे से वार्ता के बाद केवल फरवरी माह का वेतन जारी किया गया, जबकि मार्च से अब तक का भुगतान नहीं हुआ है। इसके अलावा नियुक्ति के समय सुरक्षा राशि के रूप में जमा करवाई गई 15 हजार रुपए की डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) भी कर्मचारियों को वापस नहीं लौटाई गई है।

नई एजेंसी की तैयारी, पुरानी जिम्मेदारी से पीछे

नर्सिंग कर्मियों का कहना है कि अस्पताल में नई कंपनी को कार्य सौंपने की तैयारी चल रही है, लेकिन पुरानी एजेंसी और प्रशासन दोनों ही कर्मचारियों की समस्याओं की जिम्मेदारी लेने से बच रहे हैं। कर्मचारियों के अनुसार जब उन्होंने नर्सिंग अधीक्षक से इस संबंध में चर्चा की तो उन्हें स्पष्ट जवाब नहीं मिला और कहा गया कि दोनों एजेंसियां जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं हैं।

दो साल से कम वेतन में कर रहे काम

विशाल पाराशर ने कहा कि नर्सिंग कर्मी पिछले दो वर्षों से 7 से 8 हजार रुपए मासिक वेतन पर पूरी निष्ठा से सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद समय पर वेतन नहीं मिलना और सुरक्षा राशि वापस नहीं होना कर्मचारियों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि स्थायी समाधान चाहिए। नर्सिंग एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो मामला चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के समक्ष उठाया जाएगा। साथ ही 1 जून से जेएलएन अस्पताल में कार्य बहिष्कार कर आंदोलन तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन और संबंधित एजेंसी की होगी।

लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता परेशान

हमारा समाचार @ कोटपूतली

प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार प्रदेश में महंगाई और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था के खिलाफ चलाये जा रहे जनजागरण अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को कोटपूतली में विधानसभा प्रभारी डॉ. विनोद कुमारी सांगवान के नेतृत्व में पेट्रोल-डीजल, गैस की भारी किल्लत तथा बेहताशा बढ़ती कीमतों, प्रदेश में बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था, ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में भीषण गर्मी के मौसम में बिजली-पानी की अनियमित आपूर्ति, शहर में जाम नालों, ठप पड़ी सफाई व्यवस्था और स्थानीय जनहित से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डबल इंजन की भाजपा सरकार के खिलाफ दैनिक उपभोग की वस्तुओं की महंगाई कम करने की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए इस विकराल समस्या के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अहम केंद्रित फेल विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराया और उनका इस्तीफा माँगा। भारी संख्या में आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुये उपखण्ड कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाणा ने कहा कि मोदी पहले की सरकारों को कोसते हुए तंज कसते थे कि जब देश और दुनिया में रुपये की कीमत डॉलर के मुकाबले गिरती है तो देश की इज़्ज़त गिरती है। आज एक डॉलर सौ रुपये को छुने जा रहा है, आज देश की जनता आप से पूछ रही है कि अब किस की इज्जत गिर रही है। कसाणा ने कहा कि जब देश में पेट्रोल, डीजल, गैस पर एक आध रुपया उपर नीचे होता था तो यही भाजपा के लोग आसमान को सर पर उठा लेते थे, आमजन को आज विवाह शादियों व सामाजिक समरोह के लिए गैस की समस्या से जुझना पड़ रहा है, लगातार बढ़ती बेलगाम महंगाई से आम जनता त्रस्त है। नीट परीक्षा लीक होने से छात्र-छात्राओं के सपनों पर ग्रहण लग गया है, बेरोजगारी और बेकारी से त्रस्त युवाओं में भारी नाराजगी और निराशा व्याप्त है।

उन्होंने भाजपा सरकार से जिम्मेदारी तय करने और जल्द न्याय संगत समाधान की मांग की। संगठन महामंत्री वी.के. नवल ने बताया कि विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन आंदोलन में आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डबल ईंजन की भाजपा सरकार की नाकाम, अकर्मण्य, आकण्ठ भ्रस्टाचार में डूबी भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनिवास यादव, कांग्रेस नेता भीम पटेल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व कांग्रेस नेता सांवत गुर्जर, चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा, कोटपूतली बहरोड जिला अध्यक्ष (चिकित्सा प्रकोष्ठ)डॉ मनमोहन सिंह राठौड़,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एड. सतीश निमोरिया, पीसीसी महासचिव जगदीश मीना, रमेश गुप्ता, हनुमान सैनी, सेवादल जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह यादव, अल्पसंख्यक विभाग जिलाध्यक्ष मुनानुदीन कुरैशी, युवा कांग्रेस के पूर्व विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राकेष रावत एवं मुकेष कसाना, सरपंच विक्रम छावड़ी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोकुल आर्य, जगदीश मीणा, महिला कांग्रेस पीसीसी सचिव कविता टोरड़ा, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष मंजू रावत, केएम बंसल, ब्रह्मानन्द गौड़, सरदार इन्द्रपाल सिंह, प्रभू रावत, सावंत सरपंच, सचिन रावत, अभिषेक रावत, मुकेश मुक्कड, अनिल भरगड़, एड.पवन सैनी, कमलेश मीणा, लोकेश शर्मा, इन्द्राज कसाना समेत अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

ट्रेन का खाना कभी न खाना!

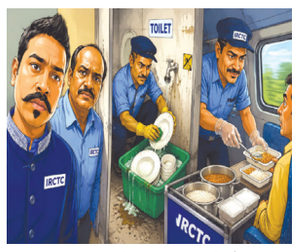

भारतीय रेलवे में हर दिन लाखों लोग सफर करते हैं और बड़ी संख्या में यात्री ट्रेन में मिलनेवाला खाना भी खाते हैं। रेलवे और आईआरसीटीसी समय-समय पर यात्रियों को बेहतर सुविधा और साफ-सुथरा खाना देने के दावे करते रहते हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने एक बार फिर रेलवे की वैसटरिंग व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में आईआरसीटीसी का एक कर्मचारी ट्रेन के टॉयलेट में बर्तन धोता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई है और कई यूजर्स रेलवे की सफाई व्यवस्था और खाने की क्वॉलिटी पर सवाल उठा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह मामला दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन का है। वीडियो वायरल होने के बाद फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एफएसएसएआई ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए आईआरसीटीसी को नोटिस जारी कर दिया है।

टॉयलेट सीट पर रखी हुई थी बर्तनों से भरी टोकरी

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रेन के टॉयलेट के अंदर एक व्यक्ति यूज किए गए बर्तनों को साफ कर रहा है। उसके पास खाने के बर्तन रखे हुए नजर आते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चौंकानेवाली बात यह रही कि बर्तनों से भरी टोकरी बंद टॉयलेट सीट के ऊपर रखी हुई थी। वीडियो रिकॉर्ड कर रहे यात्री ने जब कर्मचारी से पूछा कि वह टॉयलेट में क्या कर रहा है तो वह पहले चुप दिखाई दिया। इसके बाद यात्री ने उससे नाम पूछा, जिस पर उसने अपना नाम सुरेश बताया। यात्री ने आगे सवाल किया कि वह किस कंपनी के लिए काम करता है। इसी दौरान वीडियो में बाहर खड़ा एक अटेंडेंट भी नजर आता है। जब उससे पूछा गया कि क्या उसे इस बारे में जानकारी है तो उसने पहले कहा कि उसने अभी यह देखा है। इसके बाद यात्री गुस्से में कहता है कि ट्रेन के टॉयलेट में बर्तन धोकर यात्रियों को खाना परोसा जा रहा है। वीडियो में अटेंडेंट यह भी कहता सुनाई देता है कि आमतौर पर यहां बर्तन नहीं धोए जाते और आज ऐसा क्यों हुआ, उसे इसकी जानकारी नहीं है।इस घटना ने रेलवे की खानपान व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। यात्रियों का कहना है कि यदि खाने के बर्तन टॉयलेट में साफ किए जा रहे हैं, तो रेलवे द्वारा स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर किए जाने वाले दावे महज कागजी साबित होते हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। कई यात्रियों ने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आने के बावजूद रेलवे की निगरानी व्यवस्था क्यों विफल साबित हो रही है। खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि टॉयलेट जैसे अस्वच्छ स्थान पर बर्तन धोना यात्रियों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। इससे संक्रमण और खाद्य जनित बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। रेलवे में सफर करने वाले लाखों यात्रियों के लिए यह मामला चिंता का विषय बन गया है। यात्रियों का कहना है कि ट्रेन में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की नियमित जांच होनी चाहिए।

इंसाफ में देरी न हो... हाईकोर्ट्स को सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी रोकने के लिए सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि सुरक्षित रखे गए फैसले तीन महीने के भीतर सुनाए जाएं। जमानत याचिकाओं पर उसी दिन या अधिकतम अगले दिन फैसला देने को कहा गया है। साथ ही, सभी निर्णय 24 घंटे के भीतर वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि न्याय प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बन सके। अदालती फैसलों में होने वाली देरी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देश अहम हैं। इससे हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों का बोझ कम होगा और न्याय तेजी से मिलेगा।

प्रक्रिया तेज होगीः चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि आदेश सुरक्षित रखने के बाद तीन महीने के भीतर फैसला सुना दिया जाए। इसी तरह, जमानत अर्जियों पर उसी दिन आदेश सुनाया जाना चाहिए और अगर फैसला सुरक्षित रखा भी जाता है, तो वह अगले दिन सुना दिया जाए। सभी जजमेंट 24 घंटे के भीतर हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया।

विशेष अवसरः सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये निर्देश दिए हैं। यह आर्टिकल पूर्ण न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट को व्यापक विवेकाधीन शक्ति देता है। यूं तो इसका इस्तेमाल विरले

मौकों पर किया जाता है। लेकिन इस मामले में अनुच्छेद का उपयोग बताता है कि फैसलों में देरी किस तरह न्याय व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है।

समय पर हों फैसलेः भारतीय अदालतों पर सबसे बड़ा आरोप यही रहा है कि यहां मुकदमे बरसों-बरस चलते रहते हैं और कई बार फैसला इतनी देरी से आता है कि उसका प्रभाव महसूस नहीं होता। ऐसे में ताजा निर्देश व्यवस्था को समयबद्ध बनाने की कोशिश है।

पुरानी चिंताः पिछले साल मई में भी सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई थी कि झारखंड हाईकोर्ट ने 67 आपराधिक अपीलों में फैसला सुरक्षित रखा है। उस समय जो दो जजों की बेंच मामले को देख रही थी, उसमें जस्टिस सूर्यकांत भी थे। अदालत ने इस घटनाक्रम को चिंताजनक बताते हुए सभी हाईकोर्ट से लंबित फैसलों की जानकारी मांगी थी और कहा था कि वह कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तैयार करेगी।

आजादी सबसे अहमः इसमें जमानत का मामला बेहद संवेदनशील है। सुप्रीम कोर्ट कई मौकों पर स्पष्ट कर चुका है कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मिला गरिमापूर्ण जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि अदालत से तो जमानत मिल जाए या सजा लंबित हो जाए, लेकिन बाकी औपचारिकताओं की वजह से देरी हो। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जल्द इंसाफ मिलने की उम्मीद बंधी है। अगर ऐसा हुआ तो इससे न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ेगा।

संपादकीय : अब दिन में भी पुणे बंद करोगे?

महाराष्ट्र की पुलिस व्यवस्था की पोल खोलने वाली एक और गंभीर घटना पुणे में सामने आई है। जहरीली शराब पीने से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। यह खबर भीतर तक झकझोर देने वाली है। यह केवल एक हादसा या दुर्घटना नहीं, बल्कि राज्य की शासन-व्यवस्था और कानून-व्यवस्था की विफलता का उदाहरण है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ती गर्मी के मद्देनज़र लोगों को पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी थी, लेकिन पुणे के मजदूर वर्ग के कुछ लोगों ने जहरीली शराब का सेवन कर अपनी जान गंवा दी। इन 13 मौतों ने कई परिवारों को बेसहारा कर दिया है। सवाल यह है कि क्या सरकार इन पीड़ित परिवारों की जिम्मेदारी लेगी? यदि इन मौतों के पीछे प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था जिम्मेदार है, तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी भी सरकार पर ही आती है। पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत या लापरवाही के बिना बड़े पैमाने पर अवैध और जहरीली शराब का कारोबार चलना मुश्किल है। गृह मंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि राजनीतिक गतिविधियों और विरोधियों पर कार्रवाई में व्यस्त प्रशासन जमीनी समस्याओं से दूर होता जा रहा है। मुख्यमंत्री अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और बुलडोजर चलाने की बात करते हैं, लेकिन पुणे में जहरीली शराब ने 13 परिवारों की जिंदगी उजाड़ दी। इस घटना की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। पुणे में बड़ी संख्या में मजदूर और निम्न आय वर्ग के लोग रहते हैं, जो सस्ती देसी शराब का सेवन करते हैं। ऐसी शराब में मेथनॉल जैसे जहरीले रसायन मिलाए जाने से वह जानलेवा बन जाती है और अक्सर गरीब तबके के लोग ही इसका शिकार होते हैं। जहरीली शराब से होने वाली मौतें केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं। बिहार, पंजाब, तमिलनाडु और उत्तर

प्रदेश सहित कई राज्यों में भी ऐसे हादसे सामने आते रहे हैं। यह स्पष्ट है कि राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक भ्रष्टाचार के बिना इस तरह का अवैध कारोबार लंबे समय तक नहीं चल सकता। पुणे के जिस क्षेत्र में यह घटना हुई, वहां के जनप्रतिनिधियों के लिए यह शर्मनाक स्थिति है। यदि वे ठेकेदारी, कमीशनखोरी और राजनीतिक गतिविधियों से समय निकालकर अपने क्षेत्रों में अवैध शराब, जुआ और सट्टे के अड्डों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। पुणे जैसे शहर में अपराध लगातार बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। डकैती, महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध, खुलेआम हथियारों का प्रदर्शन और हिंसक घटनाएं आम होती जा रही हैं। अब जहरीली शराब कांड ने इस सूची में एक और दुखद अध्याय जोड़ दिया है। इससे गृह विभाग की कार्यक्षमता पर भी सवाल खड़े होते हैं। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र में अवैध देसी शराब (हातभट्टी) का कारोबार लंबे समय से जारी है। वास्तव में पुणे और मावल क्षेत्र अवैध शराब के बड़े केंद्रों में गिने जाने लगे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधि क्या कर रहे थे? घटना के बाद पुलिस ने शराब बेचने वालों और संबंधित लोगों को गिरफ्तार किया है तथा अवैध अड्डों पर कार्रवाई की है। लेकिन 13 लोगों की मौत के बाद की गई यह कार्रवाई प्रशासन की देर से खुली आंखों का प्रमाण है। अक्सर हिंदू-मुस्लिम, लव जिहाद, धर्मांतरण या अन्य सांप्रदायिक मुद्दों पर आंदोलन करने वाले संगठन और नेता सक्रिय दिखाई देते हैं। लेकिन जब जहरीली शराब जैसे मुद्दों से गरीब लोगों की जान जाती है, तब उनकी आवाज़ सुनाई नहीं देती। यदि समाज और राजनीति वास्तव में जनहित को प्राथमिकता दें, तो ऐसे मामलों पर भी उतनी ही गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकारें अक्सर अवैध निर्माणों और अन्य मामलों में बुलडोजर कार्रवाई करती हैं, लेकिन जहरीली शराब के अड्डों पर कठोर और निरंतर कार्रवाई क्यों नहीं होती? यह प्रश्न जनता के मन में स्वाभाविक रूप से उठता है। पुणे के पुलिस आयुक्त ने अपराध नियंत्रण के लिए रात 10 बजे के बाद प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए थे। लेकिन यह त्रासदी रात के अंधेरे में नहीं, बल्कि दिन के उजाले में हुई। ऐसे में सवाल उठता है–क्या अब दिन में भी पुणे बंद किया जाएगा?

आज का राशिफल

मेष– आज आपका रहन-सहन और लाइफस्टाइल पहले से ज्यादा आकर्षक नजर आएगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपको सही फैसले लेने में मदद करेगी।

वृष– आज का दिन आराम, सुख-सुविधाओं और खुशियों से भरा रहेगा। आप अपने घर और जरूरतों पर खुलकर खर्च कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन खास रहेगा, क्योंकि बॉस के साथ संबंध मजबूत होंगे और प्रमोशन की चर्चा भी हो सकती है।

मिथुन– आज किस्मत अचानक आपको बड़ा फायदा दे सकती है। पुरानी इन्वेस्टमेंट से अच्छा लाभ मिलने के योग हैं और रुका हुआ पैसा भी वापस आ सकता है। आपकी लोकप्रियता और सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क– आज लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होने की दिशा में बढ़ेंगे, जिससे मन को राहत मिलेगी। अपनी निजी बातें या जरूरी जानकारी किसी से साझा करने से बचें। खास लोगों से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

सिंह– आज आमदनी के मामले में दिन शानदार रहने वाला है। सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को कोई अच्छी खबर या उपलब्धि मिल सकती है। विद्यार्थियों का पढ़ाई में खूब मन लगेगा और वे भविष्य को लेकर गंभीर नजर आएंगे।

कन्या– आज आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। नई नौकरी या करियर से जुड़ी कोई खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज आपका दिन खास बना देगा।

तुला– आज आपके आसपास का माहौल खुशियों और उत्साह से भरा रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात तय हो सकती है, जिससे घर में रौनक बढ़ जाएगी। हालांकि पैसों से जुड़ा कोई वादा पूरा करने में थोड़ी परेशानी आ सकती है।

वृश्चिक– आज का दिन बाकी दिनों से कहीं ज्यादा सुखद और राहतभरा महसूस होगा। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगा। आसपास के लोगों की असली नीयत को पहचानकर चलना जरूरी होगा।

धनु– आज का दिन हंसी-मजाक, मौज-मस्ती और नए अनुभवों से भरा रहेगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपके लिए बहुत काम आएगी। कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें।

मकर– आज का दिन आपके लिए उम्मीद और सकारात्मकता लेकर आया है। आप अपने कामों को लेकर बेहद उत्साहित रहेंगे और बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

कुंभ– आज आपका सामाजिक मेलजोल और टीम वर्क बहुत प्रभावी रहेगा। आप नए विचारों और गोल्स को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे। क्षमता से अधिक वादे करने से बचें।

मीन– आज काम का दबाव आपको थकान महसूस करा सकता है। छोटी-छोटी परेशानियां मन का तनाव बढ़ा सकती हैं। परिवार में किसी पुरानी बात को लेकर बहस छिड़ सकती है, इसलिए बीती बातों को दोहराने से बचें।

जल संकट की दस्तकः देश के प्रमुख जलाशयों में तेजी से घट रहा पानी

भीषण गर्मी और लू की वजह से पूरे भारत में जल आपूर्ति की समस्या तेजी से बढ़ रही है। उत्तर भारत के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है और रात में भी तापमान लगातार ऊंचा रहने से पानी तथा बिजली की मांग बढ़ रही है। सुपर अल नीनो के कारण बारिश में व्यवधान की आशंका से समस्या और गंभीर हो सकती है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार जिन 166 जलाशयों पर नजर रखी जा रही है, उनमें 30 अप्रैल को मौजूद 71.08 अरब घन मीटर पानी 14 मई तक घटकर 63.23 अरब घन मीटर ही रह गया है। यानी सिर्फ दो हफ्तों में लगभग 8 अरब घन मीटर की गिरावट आई है। तेरह प्रमुख जलाशयों में जल स्तर अपने सामान्य भंडारण स्तर के आधे से भी कम रह गया है। यह समस्या तब आ रही है, जब भारत में पानी का बहुत अधिक इस्तेमाल करने वाले क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ी हैं। इनमें एथनॉल मिश्रण, डेटा सेंटर, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का ढांचा और विनिर्माण शामिल हैं। इनमें से कई निवेश पानी के संकट वाले क्षेत्रों में हो रहे हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक बार-बार सूखे और भूजल स्तर में गिरावट की समस्या से जूझते रहे हैं मगर गन्ने की खेती और एथनॉल उत्पादन बढ़ता जा रहा है, जबकि गन्ने की खेती में पानी की सबसे ज्यादा खपत होती है। इसी तरह अक्सर शहरी जल संकट से जूझने वाले महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक डेटा सेंटर के बड़े अड्डे बनते जा रहे हैं। हाइपरस्केल डेटा सेंटरों को ठंडा रखने के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। मुद्दा यह नहीं है कि इन क्षेत्रों का विस्तार होना चाहिए या नहीं, मुद्दा यह है कि औद्योगिक और ऊर्जा नीतियां जल विज्ञान संबंधी हकीकत के मुताबिक

हैं या नहीं। औद्योगिक स्थलों के चयन, शहरी नियोजन और कृषि प्रोत्साहन में जल की उपलब्धता प्रमुख मानदंड होना चाहिए। इस व्यापक संकट के परिणाम भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्पष्ट दिख रहे हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के बाड़मेर जिले में एक लिफ्ट नहर के बंद होने से कई गांव इकलौते हैंडपंप पर निर्भर हो गए हैं। दिल्ली में यमुना में पानी कम होने और प्रदूषण बढ़ने से जल शोधन क्षमता कम हो गई है, जबकि गर्मियों के महीनों में पानी की मांग बढ़ जाती है, इसलिए शहर को पड़ोसी राज्यों से मदद मांगनी पड़ रही है। वर्ष 2024 के बेंगलूरु जल संकट ने यह दिखाया कि भूजल भंडार कम होने, झीलों पर अतिक्रमण होने और वर्षा जल संचयन नियमों का ठीक से पालन न होने पर शहरी जल व्यवस्था कितनी तेजी से चरमरा सकती है। यह संकट अब केवल वर्षा की कमी तक सीमित नहीं है। तापमान बढ़ने से ज्यादा पानी भाप बनकर उड़ रहा है और भूजल स्तर गिरता जा रहा है। भारत लगभग 251 अरब घन मीटर सालाना भूजल दोहन पहले से करता आ रहा है, जो विश्व में कुल दोहन का लगभग एक चौथाई है। 1950 में यहां हर व्यक्ति के लिए लगभग 5,000 घन मीटर पानी उपलब्ध था, जो 2021 में घटकर 1,486 घन मीटर रह गई है, जिसमें और भी कमी आने का अनुमान है। ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद के शोध से पता चलता है कि भारत के 15 प्रमुख नदी बेसिनों में से 11 गंभीर जल संकट के कगार पर हैं। जल की कमी और संकट के व्यापक आर्थिक परिणाम भी हो सकते हैं। खाद्य उत्पादन पर इसका असर पड़ा तो महंगाई तेजी से बढ़ सकती है, जिसके व्यापक नीतिगत प्रभाव हो सकते हैं। दुर्भाग्यवश स्थानीय निकाय पेयजल संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए ठीक से तैयार नहीं हैं। तेजी से शहरीकरण होने के बाद भी अधिकतर शहरों में अभी व्यापक जल सुरक्षा योजनाएं नहीं हैं। नगरपालिकाएं भूजल दोहन, आपात स्थितियों के दौरान टैंकरों द्वारा आपूर्ति और संकट में अस्थायी प्रतिक्रियाओं पर ज्यादा निर्भर हैं। कुछ अध्ययनों के अनुसार बिजली के पारेषण और वितरण में भी 40 प्रतिशत तक नुकसान होता है। इसलिए जरूरी है कि शहर अपने यहां जल भंडारण का ढांचा मजबूत करें, आवासीय और व्यावसायिक भवनों में वर्षा जल संचयन लागू करें, झीलों और दलदली भूमि को वापस जीवित करें, पाइपलाइन से लीकेज कम करें और अपशिष्ट जल शोधन की प्रक्रिया का विस्तार करें। भारत को अपने जल संसाधनों के प्रबंधन के लिए एक व्यापक और समग्र दीर्घकालिक योजना की आवश्यकता है।

कंक्रीट का बुखारः भारत में बढ़ती गर्मी और निपटने की चुनौती

इस हफ्ते राजस्थान के श्रीगंगानगर में पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस साल भारत में अब तक का सर्वाधिक तापमान है। मानसून, जिसमें देर हो रही है, से पहले झुलसाती गर्मी असामान्य नहीं है, लेकिन अनौपचारिक क्षेत्र में बहुत से भारतीयों को असुरक्षित परिवेश में सीधे सूरज के तले काम करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन और लू एक दूसरे के साथ अटूट रूप से जुड़े हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़े दिखाते हैं कि भारत के मुख्य लू क्षेत्र - जिसमें मध्य, उत्तर-पश्चिम, और पूर्वी तटीय क्षेत्र शामिल हैं, या कहें कि भारत के कुल जमीनी क्षेत्रफल का लगभग 30 फीसदी हिस्सा शामिल है - में साल 1961 से लू चलने की आवृत्ति में प्रति दशक 0.1 दिन की बढ़ोतरी हुई है। लू की अधिकतम अवधि में प्रति दशक 0.55 दिन की वृद्धि हुई है, और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के मुताबिक, जब से रिकॉर्ड रखने की शुरुआत हुई साल 2015-25 का वक्फा सबसे गर्म 11 साल हैं। लेकिन ये आंकड़े जिस उत्सर्जन की देन हैं वह तो केवल प्रथम कारण है। जो चीज भारत की गर्मी को अद्वितीय रूप से प्राणघातक बना रही है वह सिर्फ पर्यावरण नहीं है। भारतीय नगरों में शहरी ऊष्मा द्वीप अब अपने आसपास के ग्रामीण इलाकों से 2 डिग्री सेल्सियस से 10 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहते हैं। यह अंतर कंक्रीट, डामर, पेड़ों की कटाई, और दफ्तरों को ठंडा करने वाले हजारों एयर-कंडीशनरों द्वारा उत्सर्जित अपशिष्ट ऊष्मा से निर्मित होता है। दिल्ली की औसत आर्द्रता साल 2015-19 और साल 2020-24 के बीच आठ फीसदी अंक बढ़ गयी। इसका बड़ा कारण 'ग्लोबल वार्मिंग' से कहीं ज्यादा शहरी सतहों का लगातार सील होते जाना है। यहीं पर तकनीकी समाधान का आकर्षण खतरनाक हो जाता है, क्योंकि स्वाभाविक प्रवृत्ति यही होती है कि अधिक, बेहतर और सस्ते एसी खरीदे जाएं। इससे सुविधा-संपन्न कार्यालय कर्मियों का बचाव हो सकता है, लेकिन विशाल बहुसंख्या, जिसमें से अनेक खुले में काम करने वाले कामगार और सड़कों पर सामान बेचने वाले हैं, की कीमत पर। यह उलटबांसी है कि मशीनें, ऊष्मागतिकीय अर्थ में, समस्या को ईंधन प्रदान कर रही हैं। इसके बजाय जिस चीज की जरूरत है वह अनाकर्षक, धीमी और राजनीतिक रूप से मुश्किल है : शहरी डिजाइन जो परावर्ती सामग्री और हरियाली को अनिवार्य बनाए, भवन संहिताएं जो पहले ही काफी बदल चुकी जलवायु के हिसाब से बनी हों; और तत्काल जरूरी, उन श्रम कानूनों का प्रवर्तन जो पहले से मौजूद तो हैं लेकिन उनका उल्लंघन ही ज्यादा होता है। ये कानून नियोक्ताओं के लिए आवश्यक बनाते हैं कि अगर गर्मी सूचकांक इस सीमा से ऊपर जाए जिसे इन्सानी शरीर सुरक्षित ढंग से बर्दाश्त न कर सकता हो, तो खुली जगहों में काम रोक दिया जाए। भारत में अभी तक गर्मी के प्रबंधन के लिए बजटीय मदों के बारे में कोई गंभीर राष्ट्रीय चर्चा शुरू नहीं हुई है।

अलग-अलग दिशाएंः क्वाड और विदेश मंत्रियों की बैठक

इस हफ्ते आयोजित क्वाड के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का मकसद सभी साझेदारों - भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका - को इस बात के लिए आश्वस्त करना था कि तमाम तेज भू-राजनैतिक घटनाक्रमों के बावजूद यह समूह वैध और व्यवहार्य बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल की शुरुआत के बाद से यह इस किस्म की तीसरी बैठक थी। इसी संदर्भ में, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने कई पहलों को अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की। इन तमाम विदेश मंत्रियों की मेजबानी विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिल्ली में की। हिंद-प्रशांत समुद्री सुरक्षा के मुद्दे पर, वे तीन पहलों पर सहमत हुए।

इनमें समुद्री निगरानी सहयोग (आईपीएमएससी), समुद्री क्षेत्र जागरूकता के लिए साझेदारी (आईपीएमडीए) और एक 'क्वाड-एट-सी शिप ऑब्जर्वर मिशन' शामिल हैं। उन्होंने क्वाड दुर्लभ खनिज सहयोग पहल (क्वाड क्रिटिकल मिनरल कोऑपरेशन इनिशिएटिव), एक ऊर्जा सुरक्षा साझेदारी और फिजी में बंदरगाह बनाने के लिए पहली बार क्वाड बुनियादी ढांचे की परियोजना को भी अंतिम रूप दिया। संयुक्त बयान में क्वाड के भू-राजनैतिक रुख - एक स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत (एफओआईपी); क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने; सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने; और यूएनसीएलओएस पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून को बनाए रखने - के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दोहराया गया। इस बयान में पहलगाम हमले, पूर्वी एवं दक्षिण चीन सागर में हो रहे घटनाक्रमों और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी पर चिंता व्यक्त की गई। फिर भी, भाषा संबंधी बाध्यताएं बिल्कुल साफ थीं। ये बाध्यताएं शायद अमेरिका के चीन और रूस के साथ नए सिरे से जुड़ने के परिणामस्वरूप पैदा हुई जान पड़ रही थीं। क्वाड के साझेदारों ने संघर्ष में ईरानी कार्रवाइयों की निंदा की, लेकिन अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान के साथ संघर्ष की शुरुआत, हिंद महासागर में एक ईरानी जहाज पर अमेरिका द्वारा किए गए हमले या पाकिस्तान को मध्यस्थ के रूप में इस्तेमाल करते हुए वाशिंगटन द्वारा तेहरान के साथ की गई वार्ता का कोई जिक्र नहीं किया। इनमें से हरेक नव-विकसित कारक क्वाड की एकता के लिए एक चुनौती पेश करता है, जबकि पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले और इसके दौरान परामर्श की कमी क्वाड की प्रासंगिकता पर सवालिया निशान लगाती है। क्वाड के साथ जुड़ाव का भविष्य एक और चिंता का सबब बनकर उभरा। क्वाड की शुरुआत आधिकारिक स्तर पर 2007 में हुई थी, 2017 में इसे उच्च आधिकारिक स्तर पर पुनर्जीवित किया गया और 2021 में इसे नेतृत्व-स्तर की सहभागिता में उन्नत किया गया।

भारत ने 2024 में क्वाड की अध्यक्षता ग्रहण की, लेकिन तब से इसके शिखर सम्मेलन की मेजबानी में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। साल 2024 में, पन्नून-निज्जर मामले को लेकर अमेरिका के साथ तनाव की वजह से शिखर सम्मेलन में देरी हुई और बाइडेन प्रशासन ने इसे बाल्टीमोर में आयोजित करने पर जोर दिया। साल 2025 में टैरिफ, प्रतिबंधों, व्यापार और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े दावों को लेकर पैदा हुए तनाव ने ट्रम्प और अन्य नेताओं की दिल्ली में होने वाली बैठक की योजनाओं को बाधित कर दिया। साल 2026 के मध्य तक, उस बैठक का कार्यक्रम अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है और अगर भारत शिखर सम्मेलन आयोजित किए बिना ऑस्ट्रेलिया को अध्यक्षता सौंप देता है, तो यह सहभागिता में कमी का संकेत दे सकता है।

बिजली चोरी के खिलाफ चला अभियान

हमारा समाचार @ चौमूं

चौमूं में जयपुर डिस्कॉम की टीम ने शनिवार को बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान शहर और आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच की गई, जिसमें 13 वीसीआर भरी गई और संबंधित उपभोक्ताओं पर लाखों रुपए का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई अधिशासी अभियंता जीएल गुप्ता के निर्देश पर सहायक अभियंता आशीष गुप्ता और कनिष्ठ अभियंता सुरेंद्र दायमा के नेतृत्व में गठित टीम ने की। अभियान के तहत दूल्हेसिंह की ढाणी, देवपुरा, मदीना कॉलोनी और रूपामालण की ढाणी सहित विभिन्न क्षेत्रों में बिजली कनेक्शनों की जांच की गई। जांच के दौरान कई स्थानों पर उपभोक्ता सीधे लाइन डालकर या अन्य अवैध तरीकों से बिजली का उपयोग करते पाए गए। डिस्कॉम की टीम ने मौके पर ही ऐसे अवैध कनेक्शन हटाए और नियमानुसार वीसीआर भरकर जुर्माना निर्धारित किया। अधिकारियों ने बताया कि बिजली चोरी से निगम को आर्थिक नुकसान होता है और विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित होती है। विभाग लगातार विशेष अभियान चलाकर बिजली चोरी रोकने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं से वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करने की अपील की। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिन में रेकी और रात में चोरी, कालवाड़ पुलिस ने दबोचे दो शातिर नकबजन

हमारा समाचार @ जयपुर

राजधानी में लगातार बढ़ रही नकबजनी और सूने मकानों में चोरी की वारदातों के बीच कालवाड़ थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के जेवरात, वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल तथा मकानों के ताले तोड़ने के लिए उपयोग किए जाने वाले औजार भी बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कालवाड़ और करणी विहार थाना क्षेत्रों में कई चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि शहर में बढ़ती चोरी और नकबजनी की घटनाओं को देखते हुए सभी थाना अधिकारियों को सक्रिय अपराधियों पर निगरानी रखने और माल मुल्जिमों की तलाश के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश और सहायक पुलिस आयुक्त आलोक सैनी के सुपरविजन में कालवाड़ थाना प्रभारी सुरेश सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। मामले की शुरुआत 10 मई 2026 को दर्ज एक चोरी की रिपोर्ट से हुई। कालवाड़ क्षेत्र के शुभम विहार रॉयल सिटी निवासी कुलदीप सिंह ने पुलिस को बताया कि वह रात को घर से बाहर गए हुए थे। अगले दिन सुबह पड़ोसियों से सूचना मिली कि उनके घर में चोरी हो गई है।

घर में चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

मौके पर पहुंचने पर घर के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा पड़ा था। जांच में पता चला कि घर से सोने की राकड़ी, चूड़ी, कानों के आभूषण, करीब 1.20 लाख रुपये नकद, पर्स तथा अन्य जरूरी दस्तावेज चोरी हो गए थे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली, जिसके आधार पर दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों के चोरी की वारदात में शामिल होने की पुष्टि होने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का माल, वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल तथा ताले तोड़ने के औजार भी बरामद कर लिए।

रेकी कर बंद मकानों में करते थे चोरी

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी दिन के समय विभिन्न कॉलोनियों में घूमकर ऐसे मकानों की रेकी करते थे, जिन पर ताले लगे होते थे या जिनके निवासी बाहर गए होते थे। रात होते ही वे दोबारा मौके पर पहुंचते और ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी अपने नशे और मौज-मस्ती के खर्च पूरे करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 24 वर्षीय विशाल शर्मा और 24 वर्षीय यश खंडेलवाल के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में करणी विहार क्षेत्र की गिरधारीपुरा में रह रहे थे। विशाल शर्मा के खिलाफ करणी विहार और बिंदायका थानों में कई प्रकरण दर्ज हैं, जबकि यश खंडेलवाल के खिलाफ भी चोरी और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले दर्ज पाए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कालवाड़ थाना क्षेत्र में तीन तथा करणी विहार क्षेत्र में एक अन्य चोरी की वारदात करना स्वीकार किया है।

कालवाड़ थाना पुलिस की इस टीम ने कर दिखाया कमाल

कालवाड़ थाना पुलिस की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुरेश सिंह, उप निरीक्षक रामनारायण, सहायक उप निरीक्षक बलवीर सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि रात के समय सुनसान क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखें, घरों में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा उपकरण लगाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम या नजदीकी थाने को दें। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नागरिकों की सतर्कता और पुलिस की सक्रियता के संयुक्त प्रयासों से ही ऐसी वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

सुंधा माता से आ रहे श्रद्धालुओं का ट्रैक्टर पलटा

हमारा समाचार @ जालोर

जालोर में जसवंतपुरा उपखंड क्षेत्र में शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे को श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 8 लोग घायल हो गए। हादसा चेकला गांव के प्रवेश द्वार के पास हुआ। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने राहत व बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार मेघवाल समाज के करीब 30 श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर सुंधा माता के दर्शन कर अपने गांव कैलाश नगर लौट रहे थे। इसी दौरान चेकला गांव के पास ट्रॉली बेकाबू होकर पलट गई। सूचना मिलने पर 108 एम्बलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी जसवंतपुरा पहुंचाया। घटना की सूचना पर पुलिस थाना से एएसआई रघुनाथ विश्नोई, लाडूराम व भानाराम मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

हादसे में 4 बच्चियां भी घायल

हादसे में 4 बच्चियां, 2 महिलाएं और 2 पुरुष घायल हुए। घायलों का उपचार बीसीएमओ डॉ. प्रशांत सैन, डॉ. दिलीप सिंह, डॉ. शिखर पुरोहित, नर्सिंग ऑफिसर अर्जुन भाटी, प्रकाश कुमार व अन्य चिकित्सा कर्मियों की देखरेख में किया। एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर उसे रेफर किया। 7 लोगों को इलाज के बाद घर भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर उसे 108 एम्बुलेंस की मदद से आगे रेफर किया गया। घायलों में हजाराम पुत्र वनाराम, अंजली पुत्री ज्वारमल, मंशाराम पुत्र भुवाराम, लीलू पुत्री जीवाराम, नारंगी देवी पत्नी पिंटाराम और लक्ष्मण पुत्र फूलाराम शामिल हैं।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मंत्री से चर्चा

हमारा समाचार @ कोटपूतली

विधायक हंसराज पटेल ने शुक्रवार को राजधानी जयपुर के सिविल लाइंस स्थित राजकीय आवास पर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित आवासीय छात्रावासों में सुविधाओं के विस्तार और शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने के लिये एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। पटेल ने विधानसभा क्षेत्र के छात्रावासों से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक और सकारात्मक चर्चा की। बैठक में मुख्य रूप से स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय बुनियादी सुविधायें, बेहतर सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। कैबिनेट मंत्री अविनाष गहलोत ने सभी विषयों को ध्यानपूर्वक सुना और इस दिशा में उचित कदम उठाने का आष्वासन दिया। इस मौके पर पटेल ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है। क्षेत्र के युवाओं और छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव संसाधन और सकारात्मक माहौल देने के संकल्प के साथ हम निरंतर कार्य कर रहे हैं।

कतर में जॉब का झांसा देकर 2.91 लाख की ठगी:पैसे मांगे तो नंबर ब्लॉक किया

हमारा समाचार @ सीकर

सीकर में एक युवक को कतर में नौकरी दिलाने के नाम पर 2.91 लाख रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया। जब युवक ने आरोपी से अपने पैसे वापस मांगे, तो उसने कहा- तुम मेरा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। मैंने तुम्हारे जैसे बहुत से लोग देखे हैं। पुलिस में शिकायत करने की बात कहने पर किरण बाबू नामक आरोपी ने युवक का नंबर ब्लैक लिस्ट कर दिया। दादिया थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवक गोवा में आरोपी एजेंट से मिला था, जिसने उसे अपने झांसे में ले लिया। दादिया थाना इलाके के खोरी ब्राह्मणन निवासी ओमप्रकाश सैन ने दादिया पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वे पहले गोवा के एक होटल में एकाउंट्स का काम करते थे। उसी दौरान उनकी पहचान कर्नाटक के रहने वाले किरण बाबू भंडारी से हुई। अक्टूबर 2024 में किरण बाबू ने ओमप्रकाश को फोन करके बताया कि उनका भाई कतर में एक सुपर मार्केट खोल रहा है।

सभी के पासपोर्ट की फोटो भेज दें, सबका वीजा आ जाएगा

शिकायत में आगे कहा- सभी को वहां काम करने के लिए कई लोगों की आवश्यकता है। किरण ने ओमप्रकाश से कहा कि यदि वे या उनका कोई परिचित काम करने के लिए इच्छुक हो, तो अपने पासपोर्ट की फोटो भेज दें। किरण के कहने पर ओमप्रकाश ने छह लोगों को विदेश भेजने की बात की और उन सभी की बात किरण से करवाई। किरण ने कहा कि सभी के पासपोर्ट की फोटो भेज दें, सबका वीजा आ जाएगा। उसने यह भी कहा कि आधा भुगतान पहले करना होगा और बाकी का भुगतान वहां काम मिलने के बाद किया जाएगा।

काफी दिनों तक वीजा आने की बात टालता रहा

शिकायत में बताया- इसके बाद किरण बाबू को 3.36 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए। किरण काफी दिनों तक वीजा आने की बात टालता रहा। जब ओमप्रकाश ने उससे पैसे वापस मांगे, तो उसने 45 हजार रुपये वापस भेज दिए, लेकिन अब 2.91 लाख रुपये देने से मना कर दिया है। किरण ने ओमप्रकाश से कहा- तुम मेरा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। मैंने तुम्हारे जैसे बहुत से लोग देखे हैं।

विदेश से चल रहे रंगदारी सिंडिकेट का भंडाफोड़: हनुमानगढ़ एसपी के निर्देशन में गोगामेड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हमारा समाचार @ हनुमानगढ

जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना के निर्देशन में संगठित अपराधियों और गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गोगामेड़ी पुलिस थानाधिकारी श्रीमती चंद्रकला पुनि और उनकी टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने विदेश से संचालित हो रहे रंगदारी सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए गैंग के सदस्यों को फरारी कटवाने और फिरौती की रकम का मैनेजमेंट करने वाले मुख्य आरोपी चंदनमल उर्फ चानण सारण को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी चन्दनमल मूल रूप से चूरू जिले के सरदारशहर के सवाई डेलाना का निवासी है और उसकी उम्र 70 वर्ष है। पुलिस अनुसंधान में सामने आया है कि यह आरोपी अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट से जुड़ा एक मुख्य मददगार है, जो इस संगठित अपराध के बैकएंड यानी लॉजिस्टिक्स और फाइनेंस की पूरी व्यवस्था को संभालता था। यह आरोपी इस गैंग के मुख्य संचालक महेंद्र डेलाना का पिता है, जो वर्तमान में विदेश में बैठकर इस पूरे गिरोह को ऑपरेट कर रहा है। पूछताछ के दौरान आरोपी चंदनमल उर्फ चानण ने खुलासा किया कि करीब आठ-नौ महीने पहले उसने अपने बेटे महेंद्र डेलाना के कहने पर बीकानेर रोड स्थित केपीएस स्कूल के बोर्ड के नीचे छुपाकर रखी गई 2.50 लाख रुपये की फिरौती की राशि को वहां से उठाकर ठिकाने लगाया था। यह आरोपी न सिर्फ गैंग के पैसों का पूरा हिसाब-किताब रखता था, बल्कि वारदात को अंजाम देकर भागने वाले शूटरों और गुर्गों के लिए सेफ हाउस भी अरेंज करता था। जब भी गैंग के सदस्य पुलिस से बचकर भागते, तो चंदनमल उन्हें अपने खेत में बनी ढाणी में अवैध रूप से पनाह देता था और पुलिस की नजरों से बचाकर उनकी फरारी कटवाता था। हाल ही में गैंग के सक्रिय सदस्य राजकुमार उर्फ राजू सेंटर और योगेश उर्फ जोगेंद्र को भी इसी ने अपने ठिकाने पर छुपा कर रखा था।

पुलिस ने आरोपी को संगठित अपराध से जुड़ी भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 111 (4) और 61(2)(ए) के तहत गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 29 अक्टूबर 2025 को एजीटीएफ हनुमानगढ़ की सूचना पर गोगामेड़ी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हनुमानगढ़ इलाके में होने वाली एक बहुत बड़ी और सनसनीखेज वारदात को नाकाम किया था। उस दौरान पुलिस ने विकास उर्फ शूटर, राजेश, राजूराम, रूपेंद्र, मुकेश और पार्थ राठौड़ सहित सात आरोपियों को तीन विदेशी पिस्तौल, दो एक्स्ट्रा मैग्जीन और 70 जिंदा कारतूस के साथ वारदात करने से ठीक पहले धर दबोचा था। पुलिस की इस मुस्तैदी और निरंतर अनुसंधान के चलते इस पूरे प्रकरण में अब तक एक नाबालिग सहित कुल 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा पुलिस ने गैंग द्वारा परिवहन और वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली एक बोलेरो कैंपर और एक एर्टिगा गाड़ी सहित कुल छह हथियार, दो एक्स्ट्रा मैग्जीन और 70 कारतूस पहले ही जब्त कर लिए हैं। इस प्रभावी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में थानाधिकारी चंद्रकला पुनि के साथ सहायक उपनिरीक्षक प्रवीन, कॉन्स्टेबल मोनू और डीआर कॉन्स्टेबल राकेश शामिल रहे। पुलिस द्वारा प्रकरण में शामिल शेष अन्य आरोपियों की तलाश और गहन अनुसंधान लगातार जारी है।

सामाजिक सेवा का मिला सम्मान, जोशी को नई जिम्मेदारी

हमारा समाचार @ गोटन

कस्बे के लिए गौरव की बात है कि लायंस क्लब गोटन के सक्रिय सदस्य रामप्रकाश जोशी को लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-E2 में सत्र 2026-27 के लिए डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति निर्वाचित डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ निशांत जैन द्वारा की गई है। रामप्रकाश जोशी की नियुक्ति की घोषणा के बाद गोटन सहित पूरे क्षेत्र के लायन सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों में खुशी का माहौल है। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं क्लब सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए इस नियुक्ति को गोटन क्षेत्र के लिए सम्मानजनक उपलब्धि बताया है। जोशी लंबे समय से सामाजिक, धार्मिक एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने लायंस क्लब के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंदों की सहायता जैसे अनेक सेवा कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी संगठनात्मक क्षमता, सेवाभाव और नेतृत्व कौशल को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन रामप्रकाश जोशी ने संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्लब की सेवा परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि समाजहित और मानव सेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा। जोशी की नियुक्ति पर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। उनकी इस उपलब्धि से गोटन का नाम जिला स्तर पर और अधिक गौरवान्वित हुआ है।

भाद्राजून में अवैध कोयले से भरा ट्रेलर पकड़ा:300 से अधिक कट्टे भरे थे

हमारा समाचार @ आहोर

भाद्राजून क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध कोयला परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने कोयले से भरे एक ट्रेलर को जब्त कर उसके ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। ट्रेलर में 300 से अधिक कट्टों में अवैध कोयला भरा हुआ पाया गया। यह कार्रवाई शुक्रवार शाम करीब 5:30 बजे हुई, जब भाद्राजून से जोधपुर की ओर जा रहे एक संदिग्ध ट्रेलर को नाकाबंदी के दौरान रोका गया।

क्षेत्रीय वन अधिकारी भगीरथ सिंह, नाका प्रभारी रूपाराम देवासी और वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद थी। टीम ने ट्रेलर की गहन जांच की, जिसमें भारी मात्रा में अवैध कोयला मिला। वन विभाग ने मौके पर ही ट्रेलर और कोयले को जब्त कर लिया। ड्राइवर को हिरासत में लेकर उससे कोयले के स्रोत और परिवहन से संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में परिवहन संबंधी कागजात संदिग्ध पाए गए हैं। नाका प्रभारी रूपाराम देवासी ने बताया कि क्षेत्रीय वन अधिकारी के निर्देश पर विभाग नाका पर तैनात था और वाहनों की जांच कर रहा था। इसी दौरान संदिग्ध ट्रेलर को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें अवैध कोयला बरामद हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध परिवहन और तस्करी करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा।

सड़क पर बह रहा है सीवरेज का पानी:सांस लेना मुश्किल

हमारा समाचार @ झुंझुनूं

शहर का सबसे व्यस्त और प्रमुख चौराहा माना जाने वाला चूरू बाइपास तिराहा पर बहते सीवरेज के पानी से परेशान हैं। पिछले दो महीनों से यहां सीवरेज लाइन लीक हो रही है, जिससे निकला गंदा और बदबूदार पानी पूरी सड़क पर फैल रहा है। सबसे व्यस्त चौराहा प्रशासनिक अनदेखी के कारण एक बदबूदार तालाब में तब्दील हो चुका है। इस गंभीर समस्या ने न केवल यहां के निवासियों और दुकानदारों का जीना मुहाल कर दिया है, बल्कि यहां से गुजरने वाले हजारों राहगीरों के लिए भी यह जगह एक आफत बन गई है।

लोगों का यहां से गुजरना भी मुश्किल

सीवरेज के इस ठहरे हुए गंदे पानी से पूरे क्षेत्र में इतनी तेज सड़न और बदबू फैल चुकी है कि लोगों का यहां से पैदल गुजरना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि चौबीसों घंटे इस बदबू के बीच रहने से बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।

दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी की नौबत

फलों का ठेला लगाने वाले युवक ने बताया कि चारों तरफ जमा कीचड़ और पानी को देखकर कोई भी ग्राहक उसकी दुकान के पास नहीं आता। इस बदबू से आसपास सब परेशान है। समोसों की रेहड़ी लगाने वाले ओम बताते है कि इस फैली गंदगी के कारण ग्राहकों के लिए तरसते है। नगर परिषद में बहुत शिकायत भी की है, लेकिन ठीक नहीं किया जा रहा है। ज्यूस का ठेला लगाने वाले मुकेश कुमार ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा, यहां गन्दा पानी सड़क बहता रहता है। रहता है। इससे बहुत परेशान है।

जयपुर में घर से पानी की मोटर चोरी, बाइक से आए थे बदमाश

हमारा समाचार @ जयपुर

जयपुर में शुक्रवार दिन-दहाड़े एक घर के अंदर से पानी की मोटर चोरी का मामला सामने आया है। बाइक से आए दो बदमाश महज 30 सेकेंड में वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। मुहाना थाना पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर बाइक सवार चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया- चोरी की वारदात मुहाना के स्वर्ण विहार में स्थित एक मकान में हुई। मकान के अंदर पोर्च में नए सामान फिटिंग के लिए रखा हुआ है। शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे बाइक पर आए दो बदमाशों ने घुमकर रेकी की। रेकी के बाद घर के सामने बाइक लेकर दोनों बदमश रुके। बाइक पर एक बदमाश बैठा रहा, दूसरा बदमाश कंधे पर बैग लटाकर अंदर घुस गया। महज 30 सेकेंड में घर के अंदर से पानी की मोटर को चोरी कर ली। पानी की मोटर चुराकर बदमाश बाहर खड़े अपने बाइक सवार दोस्त के साथ लेकर फरार हो गया। वारदातस्थल के आस-पास लगे CCTV फुटेज में बाइक पर आए चोरों की करतूत कैद हो गई। पुलिस टीम की ओर से मौके से साक्ष्य जुटाकर चोरों की तलाश की जा रही है।

जोधपुर में अगले 7 दिन तक आंधी-बारिश की चेतावनी

हमारा समाचार @ जोधपुर

जोधपुर शहर में शनिवार सुबह बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जिले का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले यह 43 डिग्री सेल्सियस के करीब था। वहीं, न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया। शहर में गर्मी से बचाव के लिए दुकानों में पानी के फुव्वारे लगाए गए हैं। मौसम विभाग ने आने वाले सात दिनों में जोधपुर में आंधी, तूफान, बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

वर्कशॉप में पानी के फुव्वारे

जोधपुर के पांचवी रोड स्थित एक कार वर्कशॉप में ग्राहकों और कर्मचारियों को गर्मी से बचाने के लिए पानी के फुव्वारे लगाए गए हैं। सुरेंद्र राठी ने बताया कि जोधपुर में बहुत ज्यादा गर्मी है, लेकिन इन फुव्वारों से तापमान में गिरावट आती है। गर्मी के इस मौसम में शहर का तापमान 45 डिग्री के करीब है, जिससे काम करने में दिक्कत होती है। इसलिए, कारखाने में फुव्वारे लगाए गए हैं ताकि काम करने में आसानी हो।

बारिश की उम्मीद, उमस से परेशानी

शहर में पिछले एक सप्ताह में अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है। अब आने वाले दिनों में बारिश होने से तापमान में गिरावट की उम्मीद है, हालांकि उमस से शहर के लोग परेशान हैं।

पोस्टर रंगों से पेंटिंग बनाकर बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हमारा समाचार @ नीमकाथाना

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झीराणा में पोस्टर रंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'धरती बचाओ-जीवन बचाओ' थीम पर बच्चों ने पोस्टर रंगों से जीवंत पेंटिंग बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पेंटिंग प्रतियोगिता में अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया। बच्चों ने चार्ट पर पेड़ बचाओ, जल संरक्षण, और वायु प्रदूषण जैसे विषयों को रंगों से उकेरा। चित्रकार सुरेश यादव के सानिध्य में पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने पेंटिंग में दिखाया कि एक तरफ हरा-भरा जंगल है और दूसरी तरफ कटते पेड़ों से उजड़ा मैदान, फैक्ट्री के धुएं से दम घुटते पक्षी का मार्मिक चित्र बनाया। शिविर प्रभारी देशराज यादव ने बताया कि पोस्टर रंग बच्चों के लिए सबसे आसान माध्यम है। जब वे खुद रंगों से पर्यावरण का दर्द कागज पर उतारते हैं तो उनके मन पर गहरा असर होता है। पीईईओ सुभाष सैनी ने बताया कि -कला जीवन का एक माध्यम है इसके बिना सब अधूरा है हर माध्यम में कला की आवश्यकता होती है। शिक्षक दिनेश यादव ने सभी विद्यार्थियों को कोल्ड ड्रिंक व नमकीन खिलाकर विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया। छात्रा बंसल सैनी ने बताया कि कला के माध्यम से जागरूक करना ही समरसता है। जिसका अर्थ है कि समाज के सभी वर्गों के बीच भेदभाव रहित प्रेम, भाईचारा और सद्भाव की भावना स्थापित करना ही समरसता है। जिससे हम पेंटिंग के माध्यम से जागरूकता के तौर पर समाज हित में संदेश दे सकते हैं। पेंटिंग प्रतियोगिता में बंसल सैनी, खुशी सैनी,मुस्कान,पायल वर्मा, पायल सैनी, अक्षरा सैनी बेटियों ने भाग लिया।

वित्त वर्ष 2025-26 में एनवायरो इंफ्रा का शानदार प्रदर्शन

हमारा समाचार @ दिल्ली

भारत भर में सरकारी प्राधिकरणों के लिए जल और अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों तथा जल आपूर्ति योजना परियोजनाओं के डिजाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव में विशेषज्ञता रखने वाली देश की अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी, एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स लिमिटेड ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय समेकित परिणामों की घोषणा की। इस वर्ष के दौरान, कंपनी ने 100' स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बनाकर रिन्यूएबल (अक्षय ऊर्जा) क्षेत्र में भी कदम रखा है।

एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स लिमिटेड के चेयरमैन, संजय जैन ने कहाः 'वित्त वर्ष 2026 एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स लिमिटेड के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष रहा। हमने समय से पहले कई बड़ी और जटिल परियोजनाओं को पूरा करके तथा 'वेस्ट-टू-एनर्जी' (कचरे से ऊर्जा) पर निरंतर ध्यान केंद्रित करते हुए, अपने मुख्य जल और अपशिष्ट जल बुनियादी ढांचा व्यवसाय को और मजबूत किया है।' 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के लिएः परिचालन से राजस्व 4,273 रुपये मिलियन रहा । कर-पश्चात लाभ इस तिमाही के लिए 543 रुपये मिलियन दर्ज किया गया। 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिएः परिचालन से राजस्वः 11,456 रुपये मिलियन तक पहुंच गया।

राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन का नवम महाधिवेशन

हमारा समाचार @ जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को पूरा करने में कार्मिकों की अहम भूमिका है। ईमानदारी और पारदर्शिता से किया गया कार्य ही सुशासन की पहचान बनता है। इसलिए जनता को समय पर सेवाएं देकर कार्य संस्कृति को मजबूत बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि कार्मिक अपनी सेवा में पूर्ण शुचिता को अपनाएं और भ्रष्ट आचरण के दलदल से दूर रहकर जन सेवा के ध्येय को और अधिक मजबूत बनाएं। मुख्यमंत्री शनिवार को जयपुर के आरआईसी में आयोजित राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के नवम महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' के मूलमंत्र पर चलते हुए हमने 103 अधिकारियों को निलंबित किया है, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त किया है और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है। वहीं रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरुपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और बेहतर नागरिक सुविधाएं शहर की पहचान होती हैं। नगर निकायों के कर्मचारी इन व्यवस्थाओं की रीढ़ हैं और उनकी प्रतिबद्धता से ही आमजन को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध हो पाती हैं।

स्वच्छता, जल संरक्षण और हरियाली पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत मिशन की पहल देश में आज जन आंदोलन बन चुकी है। इस अभियान के माध्यम से लोगों की स्वच्छता की आदतों में बदलाव आया है। वहीं, घर-घर में शौचालय बनवाकर हमारी माता-बहनों के जीवन को एक गरिमा प्रदान की गई है। साथ ही, शहरों में अच्छे बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं के विकास के लिए स्मार्ट सिटी मिशन प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में जल संचय-जनभागीदारी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को सशक्त बनाने के क्रम में राज्य में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही हमारी सरकार ने हरियालो राजस्थान अभियान में अभी तक प्रदेशभर में लगभग 20 करोड़ पौधे लगाए हैं और इस वर्ष भी 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसके तहत प्रदेश में पहली बार चंदन वन भी विकासित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों से ऊर्जा की बचत और मितव्ययिता को अपनाने का आह्वान किया है, जिसमें हम सभी अपना सहयोग दे रहे हैं।

200 शहरों में विकास कार्यों को मिली रफ्तार

मुख्यमंत्री कहा कि राज्य सरकार तकनीक, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ आगे बढ़ते हुए स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहरों के निर्माण के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में पेयजल, सीवरेज, ड्रेनेज तथा डिजिटल नगर सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। अमृत 2.0 के तहत 11 हजार 560 करोड़ रुपये की राशि से राज्य के 200 शहरों और कस्बों में 363 परियोजनाओं पर काम हो रहा है। शहरी क्षेत्रों के लिए नई टाउनशिप नीति 2024 लागू की गई है। हमारा लक्ष्य है कि शहरों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही आधुनिक सफाई व्यवस्था और ठोस कचरा प्रबंधन सुदृढ़ हो।

जनसेवा में नगर निकाय कर्मियों की अहम भूमिका

उन्होंने कहा कि आमजन का सबसे पहला और सीधा संपर्क नगर निकाय के कर्मचारियों से ही होता है। ये सफाई, पेयजल, सड़क से लेकर सीवर, पार्कों का रखरखाव, अग्निशमन व जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं के माध्यम से जनता के जीवन को आसान और सुरक्षित बनाते हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के इस दौर में आने वाले वर्षों में नगर निकायों की भूमिका और भी अधिक निर्णायक, व्यापक और महत्वपूर्ण होने जा रही है। ऐसे में वे सभी अपनी सेवा और समर्पण की भावना से प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए पानी और बिजली के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। राइजिंग राजस्थान के तहत लगभग 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कर्मचारी कल्याण स्मारिका का विमोचन किया।

किसान कल्याण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि राजस्थान को मुख्यमंत्री के रूप में एक किसान पुत्र का नेतृत्व प्राप्त हुआ है, जिन्होंने किसानों के कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही सहायता के साथ ही राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों की सम्मान निधि में वृद्धि की है।

शिव-शक्ति महायज्ञ संपन्न, बिंटू महाराज बने बालेश्वरदास

हमारा समाचार @ चौमूं

चौमूं शहर के रेलवे स्टेशन के पास स्थित बिलाधाम हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित 51 कुण्डीय शिव-शक्ति महायज्ञ का समापन पूर्णाहुति, ब्राह्मण विदाई और विशाल भंडारे के साथ हुआ। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। संतोषी माता राम दरबार मंदिर के महामंडलेश्वर बालक दास महाराज और हनुमान मंदिर के महंत बिंटू महाराज (जो अब बालेश्वरदास महाराज कहलाएंगे) के सानिध्य में यह महायज्ञ संपन्न हुआ।

यज्ञाचार्य पं. मुकेश शास्त्री ने प्रधान कुंड पर मुख्य यजमान महेंद्र जमालपुरिया सहित अन्य यजमान जोड़ों से विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति करवाई। पूर्णाहुति के बाद, महायज्ञ में बैठे यजमान जोड़ों के रिश्तेदारों ने कपड़े पहनाने की रस्म अदा की। इसके अतिरिक्त, दूर-दराज से पधारे संत-महात्माओं को दक्षिणा-भेंट कर विदाई दी गई। इस मौके पर बालकदास महाराज ने कहा कि महायज्ञ जैसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सद्भाव और संस्कारों को मजबूत करते हैं।

बालेश्वरदास महाराज ने बताया कि यज्ञ से वातावरण शुद्ध होने के साथ मानव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। समापन के बाद आयोजित भंडारे में हजारों लोगों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। दोपहर से शुरू हुआ यह सिलसिला देर शाम तक चला। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, यज्ञ समिति अध्यक्ष संतोष गरेड, गिरधर सैनी, भीमसिंह लांबा, नंदजी रावलिया, एनआर यादव, कमलेश पारीक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महायज्ञ के दौरान बिलाधाम परिसर में चादरपोशी की महत्वपूर्ण रस्म भी संपन्न हुई। हजारों श्रद्धालुओं और संत-महात्माओं की मौजूदगी में त्रिवेणीधाम के रामरिछपालदास महाराज और पुरुषोत्तमदास महाराज के शिष्य महामंडलेश्वर बालकदास के सानिध्य में बिलाधाम आश्रम में श्री बालेश्वरदास की चादरपोशी और पट्टा अभिषेक मंडल द्वारा किया गया। इस रस्म में हरिदेवाचार्य महाराज, विधायक व महंत बालमुकन्दाचार्य महाराज, रामचरणदास महाराज, महावीरदास महाराज, कालीदास महाराज, प्रेमदास महाराज, भीमादास महाराज, सुरेशदास महाराज सहित कई प्रमुख संत मौजूद थे। चादरपोशी के बाद बिंटू महाराज अब आधिकारिक तौर पर बालेश्वरदास महाराज कहलाएंगे।

जयपुर सेंट्रल जेल में फिर मिला मोबाइल

हमारा समाचार @ जयपुर

जयपुर के केंद्रीय कारागार जयपुर में एक बार फिर मोबाइल मिलने का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन की ओर से इस संबंध में लालकोठी थाना में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। जानकारी के अनुसार बुधवार शाम करीब 5:45 बजे सेंट्रल जेल में रुटीन चेकिंग के दौरान सुरक्षा प्रहरी को वार्ड नंबर-9 की बैरक नंबर-4 के पीछे बने शौचालय के पास लावारिस हालत में एक काले रंग का MTRM 26 मोबाइल फोन मिला। मोबाइल में सिम कार्ड नहीं था, जबकि बैटरी अलग से बरामद हुई।

लालकोठी थाने में केस दर्ज

मामले में कारागृह प्रबंधक विजय सिंह ने गुरुवार को लालकोठी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। जेल प्रशासन की ओर से बरामद लावारिस सामग्री की फर्द जब्ती तैयार कर पुलिस को सौंप दी गई है।

चार दिन बाद भी मारपीट के नामजद आरोपी पुलिस पकड़ से दूर

हमारा समाचार @ खाटूश्यामजी

श्याम नगरी में 26 मई को युवक के साथ हुई बेरहमी से मारपीट के मामले में पुलिस को अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। घटना के चार दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद नामजद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं, जिससे स्थानीय लोगों और समाज के लोगों में नाराजगी बनी हुई है। गौरतलब है कि 26 मई की रात करीब 11:30 बजे तोरण द्वार क्षेत्र में होटल में रूम लगाने के लिए खड़े युवक करण कुमावत निवासी त्रिलोकपुरा रानोली पर 4-5 रूम लगाने वाले ही बदमाश युवकों ने लोहे और लकड़ी के डंडों से हमला कर दिया था। हमले में गंभीर रूप से घायल करण को पहले उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर सीकर रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद 27 मई को करण के पिता ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। इसके बाद पुलिस ने टीम गठित कर जांच शुरू की, लेकिन अब तक आरोपियों का कोई ठोस सुराग नहीं लग सका है। मामले को लेकर कुमावत समाज सहित विभिन्न संगठनों ने सीकर एसपी एवं दांतारामगढ़ एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की थी। वहीं शनिवार को दांतारामगढ़ विधायक सीकर के एसके अस्पताल पहुंचकर भर्ती करण कुमावत की कुशलक्षेम जानी। विधायक ने घटना को निंदनीय बताते हुए पुलिस की कार्यशैली पर चिंता जताई तथा तत्काल सीकर एसपी से दूरभाष पर वार्ता कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन घटना के चार दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में सवाल उठने लगे हैं। अब पीड़ित परिवार, समाज और स्थानीय लोगों की नजर पुलिस कार्रवाई पर टिकी हुई है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता अभियान, महिलाओं-बच्चों को नशामुक्त जीवन का दिया संदेश

तंबाकू से दूरी, स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ते कदम: जागरूकता कार्यक्रम में परिवारों ने लिया संकल्प

हमारा समाचार @ जयपुर

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन की ओर से जयपुर में तंबाकू एवं नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रमिक परिवारों, महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लेते हुए तंबाकू के दुष्प्रभावों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को समझा। कार्यक्रम के दौरान तंबाकू, गुटखा, बीड़ी और धूम्रपान से होने वाली गंभीर बीमारियों जैसे मुख कैंसर, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग एवं श्वसन संबंधी समस्याओं की जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि नशे की लत केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति और बच्चों के भविष्य पर भी नकारात्मक असर डालती है। बच्चों और किशोरों के लिए विशेष जागरूकता एवं परामर्श सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल, योग, ध्यान और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित लोगों ने तंबाकू एवं अन्य नशे की वस्तुओं से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. अनुपमा सोनी ने कहा कि तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में महिलाओं और बच्चों की जागरूक भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

सही मार्गदर्शन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर आने वाली पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में संस्था से जुड़े पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी अपने विचार रखे। साथ ही सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पक्षियों के लिए मिट्टी के जल पात्र वितरित किए गए तथा लोगों से गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील की गई। संस्था ने भविष्य में भी स्वास्थ्य, स्वच्छता, कैंसर जागरूकता और जनकल्याण से जुड़े अभियान जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

कोटपूतली में दो दिनों में 12 MM बारिश

हमारा समाचार @ कोटपूतली

कोटपूतली क्षेत्र में हुई बारिश ने नौतपा की गर्मी से राहत प्रदान की है। गुरुवार और शुक्रवार की रात हुई बारिश के कारण तापमान में नौ डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

दो दिनों में 12 एमएम बारिश दर्ज

क्षेत्र में पिछले दो दिनों में कुल 12 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। बुधवार को 9 मिलीमीटर और गुरुवार रात को 3 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके परिणामस्वरूप, अधिकतम तापमान गिरकर 33 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इस बारिश से भीषण गर्मी और लू से झुलसी फसलों को नया जीवनदान मिला है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक मौसम ऐसा ही बने रहने की संभावना जताई है, हालांकि विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। इससे पहले नौतपा के दौरान गर्मी का कहर जारी था, जिससे आमजन के साथ-साथ फसलें और पेड़-पौधे भी झुलस गए थे।

महिलाओं ने गुस्से में मटके फोड़े:पीने के पानी के लिए हो रहीं परेशान

हमारा समाचार @ अजमेर

अजमेर में भीषण गर्मी के बीच पीने के पानी संकट गहराता जा रहा है। पानी की अनियमित और कम दबाव वाली सप्लाई से परेशान प्रताप नगर क्षेत्र की महिलाओं का शनिवार को गुस्सा फूट पड़ा। महिलाओं ने सिविल लाइंस स्थित जलदाय विभाग (पीएचईडी) के ऑफिस पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने अधिकारियों का घेराव किया। इस दौरान महिलाओं ने गुस्से में आकर मटके फोड़कर अपना विरोध जताया। स्थानीय निवासी विष्णु कंवर ने बताया- क्षेत्र में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है। लोगों को 72-72 घंटे तक पानी का इंतजार करना पड़ रहा है। सप्लाई होती भी है तो पानी का दबाव कम रहता है। घरों की टंकियां तक नहीं भर पातीं। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी परेशानी यह है कि पानी सप्लाई का कोई निश्चित समय नहीं है। कभी दोपहर में, कभी शाम को तो कभी आधी रात में पानी छोड़ा जाता है, जिससे लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है।

टैंकरों पर बढ़ी निर्भरता, जेब पर पड़ रहा भारी बोझ

महिलाओं ने बताया- पानी की किल्लत के कारण क्षेत्र के लोग निजी टैंकरों पर निर्भर हो गए हैं। टैंकर संचालक भी मनमाने दाम वसूल रहे हैं। एक टैंकर के लिए 700 से 950 रुपए तक लिए जा रहे हैं। कई जगहों पर 1200 से 1250 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। महंगे दाम चुकाने के बावजूद पानी खारा होता है। खारे पानी से कपड़े, बर्तन और अन्य घरेलू काम प्रभावित हो रहे हैं। महिलाओं का कहना था कि पानी के अभाव में घरों का कामकाज ठप पड़ गया है। लोगों के पास नहाने, कपड़े धोने और दैनिक जरूरतों के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है।

महिलाएं पहुंचीं कार्यालय, जमकर की नारेबाजी

पेयजल संकट से परेशान करीब 40 से 50 महिलाएं जलदाय विभाग कार्यालय पहुंचीं। अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने विभाग पर समस्या की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान माहौल गर्माता देख विभागीय अधिकारियों ने महिलाओं से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। अब हर 48 घंटे में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

गुढ़ा बैरसल में खिलाड़ीयों को किया किट वितरण

हमारा समाचार @ बोराज

गुढा बैरसल गांव में शुक्रवार को किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। धनराज गोस्वामी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत समाजसेवी आरएलपी नेता भारत कुमावत ने गांव के युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से श्री बाल के होनहार खिलाड़ियों को एक कार्यक्रम आयोजित कर खेल में काम आने वाले किट वितरण किया।भारत कुमावत ने किट के साथ ही प्रोत्साहन राशि भी प्रदान कर समाज में अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। समाजसेवी भारत कुमावत ने गांव के होनहार खिलाड़ियों को अपनी ओर से सभी को किट वितरण के लिए नकद सहायता राशि प्रदान की। धनराज गोस्वामी ने बताया कि आगामी श्री बॉल नेशनल प्रतियोगिता के लिए गिरीराज कुमावत और रोहित कुमावत का चयन हुआ है। तथा बाल बैडमिंटन प्रिमियर लीग के लिए आदित्य गोस्वामी, गिरीराज, रोहित, निखिल और हिमांशु का भी चयन हुआ है। जल्दी ही ये खिलाड़ी टीम कैम्प से जुड़ेंगे। खिलाड़ियों का टीम में चयन होने पर गांव में खुशी का माहौल है।

01 से 07 जून तक मनाया जाएगा स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह

हमारा समाचार @ जयपुर

जिले में 01 जून से 07 जून तक 'स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान आमजन को पर्यावरणीय मुद्दों तथा उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों, शहरी स्थानीय निकायों और अन्य हितधारकों के सहयोग से कई जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि प्रतिवर्ष 02 जून को 'हीट एक्शन डे' और 05 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। इन आयोजनों का उद्देश्य मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले गंभीर पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसी क्रम में जिले में स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) डॉ. सुरेन्द्र कुमार गोयल ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य संस्थानों में शीतलन व्यवस्था, ओआरएस, आवश्यक दवाइयों और आपातकालीन प्रबंधन की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही ताप संबंधी बीमारियों और मृत्यु के आंकड़ों की नियमित निगरानी, रिपोर्टिंग और समीक्षा भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि सीएचओ, एएनएम, आशा सहित सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को गर्मी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनाया जाएगा। जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान तैयार कर उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया जाएगा। स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत वेबिनार, जागरूकता सत्र, स्कूल एवं सामुदायिक गतिविधियां तथा सोशल मीडिया अभियान चलाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

नाहरगढ़ कुंड एवं बावड़ियों की सफाई के लिए दो दिवसीय स्वच्छता अभियान शुरू

हमारा समाचार @ जयपुर

फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नाहरगढ़ कुंड एवं बावड़ियों की सफाई के लिए दो दिवसीय स्वच्छता अभियान शुरू किया गया। बावड़ी बाईसा के सहयोग से आयोजित इस अभियान को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स, इंडिया हेरिटेज कलेक्टिव, कर्तव्य, पुनर वेस्ट मैनेजमेंट और होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान सहित कई संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है। अभियान के पहले दिन बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों, युवाओं तथा पर्यटन और विरासत संरक्षण से जुड़े लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत एवं परिचय सत्र से हुई, जिसमें सहयोगी संस्थाओं ने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद वेस्ट मैनेजमेंट पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को कचरा पृथक्करण, कचरा प्रबंधन और जिम्मेदार पर्यटन व्यवहार की जानकारी दी गई।

इसके पश्चात नाहरगढ़ कुंड-1 एवं आसपास के पार्किंग क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रतिभागियों ने समूहों में सफाई कार्य करते हुए बड़ी मात्रा में कचरा हटाया और धरोहर स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

अभियान का उद्देश्य केवल सफाई करना ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति लोगों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। एफएचटीआर के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री के जल गंगा अभियान से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी सरकार के साथ मिलकर धरोहर संरक्षण और स्वच्छता के लिए कार्य करती रहेगी। वहीं महासचिव तरुण कुमार बंसल ने कहा कि पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों का यह प्रयास युवाओं में अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अभियान को पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल रखा गया।

प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया तथा जूट बैग और पुनः उपयोग योग्य दस्तानों का इस्तेमाल किया गया। पहले दिन के समापन पर स्वयंसेवकों और सहयोगी संस्थाओं का सम्मान किया गया। अभियान का दूसरा दिन 31 मई को आयोजित होगा, जिसमें नाहरगढ़ कुंड-2 और आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान, जागरूकता सत्र, हस्तछपाई गतिविधि तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे।

धूल भरी तेज आंधी के साथ बरसात व ओले गिरे

हमारा समाचार @सांभर लेक

सांभर कस्बे व आस के ग्रामीण क्षेत्रों में धूल के सात तेज बरसात सायं 5 बजें चालू हुई और कुछ देर बाद चने के आकर जैसे ओले गिरे लेकिन कुछ जन हानि नहीं हुई हे भीषण गर्मी से आमजन परेशान हो रहे थे जिससे गर्मी से भी राहत देखने को मिली मौसम में भी ठंडक के सात मौसम भी सुहाना रहा किसानों के भी चेहरे खिले जिससे आगामी फ़सल बोने की उमीद बनी कस्बे में बारिश से ठंडी हवाओं की लहर चली रात मे तापमान में भी गिरावट देखने को मिल

नियमित योगाभ्यास शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी

हमारा समाचार @ घटियाला

केरू पंचायत समिति में आयोजित योग चिकित्सा शिविर के दौरान मेडिकल हेल्थ चेकअप कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस शिविर में 36 योग साधकों की निशुल्क ब्लड जांच की गई और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श प्रदान किए गए। यह स्वास्थ्य जांच योग चिकित्सक प्रमोद कुमार माचरा के सहयोग से आयोजित की गई थी। डॉ. अंबाचंद माथुर के मार्गदर्शन में डॉ. लाल पथ लैब की ओर से डॉ. सागर सिंधी ने ब्लड जांच की प्रक्रिया पूरी की। जांच के दौरान साधकों के शुगर, कोलेस्ट्रॉल, हीमोग्लोबिन और बीपी सहित कई स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। रिपोर्ट के आधार पर प्रतिभागियों को स्वास्थ्य संबंधी सुझाव दिए गए और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। जिला प्रभारी लालचंद सिंधी ने शिविर में बताया कि नियमित योगाभ्यास शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर दिया कि योग कई बीमारियों से बचाव में सहायक है और स्वस्थ जीवन की दिशा प्रदान करता है। शिविर संयोजक योग गुरु प्रमोद शर्मा और आयोजक ललित प्रकाश शर्मा ने कहा कि योग के साथ-साथ समय-समय पर स्वास्थ्य जांच भी आवश्यक है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवसः झोटवाड़ा स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

हमारा समाचार @ जयपुर

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में झोटवाड़ा स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में तंबाकू नियंत्रण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आसरा फाउंडेशन जयपुर और राजस्थान टोबैको फ्री एलायंस (राजतोफा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और तंबाकू मुक्त समाज का निर्माण करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आसरा फाउंडेशन की सचिव एवं राजतोफा सदस्य मंगला शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए तंबाकू सेवन से होने वाले सामाजिक, आर्थिक नुकसान और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रति सचेत किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य रमा सिंह के नेतृत्व में सभी छात्राओं को जीवन में कभी भी तंबाकू का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आयोजित हस्ताक्षर अभियान में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (नांगल जैसा बोहरा) के प्रधानाचार्य शेर सिंह मनोहर ने भी हस्ताक्षर कर अपना समर्थन दिया और विद्यार्थियों को 'तंबाकू मुक्त राजस्थान' अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस प्रभारी रजनी एवं प्रतिभा के निर्देशन में एक स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। हेमंत, श्वेता, अनिल और रमेश के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम का समापन 'तंबाकू मुक्त युवा - स्वस्थ राजस्थान' के मजबूत संकल्प और विद्यालय परिसर में जागरूकता पोस्टर लगाने के साथ हुआ।

हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों पर मंथन, विश्वसनीयता पर जोर

जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक ने फेक न्यूज, सोशल मीडिया और एआई के दौर में तथ्यपरक व जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता बताई

हमारा समाचार @ चूरू

हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार को चूरू जिला मुख्यालय पर सूचना केंद्र में 'हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम, एपीआरओ मनीष कुमार, वरिष्ठ पत्रकार देवराज लाटा, किशन उपाध्याय सहित पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों ने शिरकत कर हिंदी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति व चुनौतियों पर विचार– विमर्श किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। हिंदी पत्रकारिता ने लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज जब सोशल मीडिया, एआई आदि सूचना के अनेक माध्यम उपलब्ध हैं, तब पत्रकारिता के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपनी विश्वसनीयता और निष्पक्षता को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजीटल युग में पत्रकारिता के सामने विश्वसनीयता बनाए रखने और फेक न्यूज जैसी चुनौतियों से निपटने की आवश्यकता है। इसलिए प्रामाणिकता अत्यंत आवश्यक हो जाती है।उन्होंने कहा कि स्वाध्याय अत्यंत आवश्यक है। पत्रकारिता क्षेत्र में समसामयिकता और उन्नयन के लिए नियमित अध्ययन पहली कड़ी है। इसलिए किताबें पढ़ें और समसामयिक विषयों पर पकड़ रखें। समाज का अधिकांश वर्ग हिन्दीभाषी है, इसलिए हिन्दी पत्रकारिता में प्रासंगिक विषयों पर तार्किकता, समयबद्धता, विश्लेषण और तथ्यपरकता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने पत्रकारिता क्षेत्र में सोशल मीडिया व एआई के उपयोग, पाठकों की बदलती अपेक्षाओं, त्वरित समाचारों की होड़ और व्यावसायिक दबावों के बीच गुणवत्ता, तथ्यपरकता और नैतिकता को बनाए रखने आदि बिन्दुओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम ने कहा कि पत्रकार समाज की आवश्यकताओं को पहचानने और जनभावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

आज सूचना के अनगिनत स्रोत उपलब्ध हैं, ऐसे में प्रमाणिक और तथ्याधारित समाचारों की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।उन्होंने कहा कि बदलते दौर में सोशल मीडिया और त्वरित सूचना के दबाव के बावजूद सत्य और जिम्मेदार पत्रकारिता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। तथ्यपरक और विश्वसनीय खबरें ही समाज का विश्वास अर्जित कर सकती है। जिम्मेदार एवं तथ्यपरक पत्रकारिता को बनाए रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है।

सहायक जनसंपर्क अधिकारी मनीष कुमार ने हिंदी पत्रकारिता के विकास क्रम पर चर्चा करते हुए कहा कि तथ्य आधारित सूचनाओं का प्रेषण अत्यंत आवश्यक है।

वरिष्ठ पत्रकार देवराज लाटा, नरेन्द्र शर्मा, किशन उपाध्याय, राजेन्द्र सिंह शेखावत, अखिलेश दाधीच सहित वक्ताओं ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता आज डिजिटल संक्रमण, फेक न्यूज, व्यावसायिक दबाव और बदलती पाठकीय रुचियों जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। इन परिस्थितियों में पत्रकारों को निरंतर अध्ययन, तकनीकी दक्षता और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहना होगा। वक्ताओं ने कहा कि तकनीकी क्रांति, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और सूचनाओं की तीव्र प्रतिस्पर्धा के इस दौर में हिंदी पत्रकारिता की विश्वसनीयता, जनपक्ष का प्रमुखता से रखना ही उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं।मनोज शर्मा ने स्वागत किया और अमित तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।इस दौरान आशीष गौतम, गिरधारी सैनी, ललित चौहान, राहुल शर्मा, जमील अहमद खान, विजय चौहान, मोहम्मद अली पठान, देशदीपक किरोड़ीवाल, जसवंत मेड़तिया, रामचंद्र गोयल, पवन शर्मा, प्रदीप माली, बजरंग सैनी, श्रवण शर्मा, नरेन्द्र दीक्षित, अख्तर मुगल, दीपक सैनी, निखिल जांगिड़, गोविंद, राजकुमार चोटिया, बाबूलाल राव, तनुज लाटा, सुनील स्वामी, मनीष शर्मा, बलवान सिंह, विद्याधर शर्मा, दूलीचंद सोनी, संजय गोयल, विजय रक्षक, राजेन्द्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। संचालन कुंज बिहारी बिरमीवाला ने किया।

जल संरक्षण की शपथ लेकर बचाने का लिया संकल्प

हमारा समाचार @ खाजूवाला

नगर पालिका खाजूवाला एवं उज्जवल एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर, खाजूवाला में जल संरक्षण-जन अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाकर पानी बचाने और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता निरीक्षक मांगीलाल, राहुल कुमार मीणा, शिव प्रकाश, सुनील माहर एवं अनिल कुमार ने जल संरक्षण की शपथ दिलाते हुए जल के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि जल मानव जीवन का आधार है और इसकी प्रत्येक बूंद अनमोल है।

बढ़ते जल संकट को देखते हुए जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने लोगों से दैनिक जीवन में पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने, वर्षा जल संचयन को अपनाने तथा जल स्रोतों को सुरक्षित रखने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आमजन की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। कार्यशाला में मौजूद सभी प्रतिभागियों ने 'जल है तो कल है' का संकल्प दोहराते हुए जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में इसके प्रति जनजागरण फैलाने का संकल्प लिया।

निःशुल्क अस्थि रोग शिविर में 111 मरीजों को परामर्श

हमारा समाचार @ चूरू

स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भारत विकास परिषद्, शाखा-चूरू एवं अग्रसेन नगर समग्र विकास समिति, चूरू के संयुक्त तत्वावधान में तथा गिन्नी देवी ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल के सहयोग से शनिवार को सामुदायिक भवन, अग्रसेन नगर में निःशुल्क अस्थि रोग, जोड़ प्रत्यारोपण परामर्श एवं जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ उठाया।शिविर में जयपुर से पधारे सुप्रसिद्ध जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. प्रतुल जैन ने 111 से अधिक मरीजों की विस्तृत जांच कर उन्हें अस्थि एवं जोड़ों से संबंधित समस्याओं के निदान एवं उपचार संबंधी परामर्श प्रदान किया। इसके साथ ही अत्याधुनिक Bone Mineral Density (BMD) जांच के माध्यम से हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा तथा ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों के भुरभुरेपन) की जांच भी निःशुल्क की गई।फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुमित गर्ग ने मरीजों को मांसपेशियों एवं जोड़ों की कार्यक्षमता बढ़ाने हेतु आवश्यक फिजियोथेरेपी परामर्श एवं सेवाएं प्रदान कीं। वहीं अग्रसेन नगर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की चिकित्सा टीम द्वारा ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच कर आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। भारत विकास परिषद् शाखा-चूरू के अध्यक्ष विमलचन्द भटनागर तथा अग्रसेन नगर समग्र विकास समिति के अध्यक्ष वैद्य बनवारीलाल शर्मा ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी जनहित के ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। भाविप सचिव रामस्वरूप शर्मा ने बताया कि शिविर में पधारे विशेषज्ञ चिकित्सकों का स्वागत एवं अभिनंदन समिति संरक्षक ओमप्रकाश तंवर एवं परिषद् संरक्षक श्यामसुन्दर पारीक द्वारा दुपट्टा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। शिविर की सफलता में हुकमचन्द ,कप्तान के.के. शर्मा, पवन, नवरत्न, मदनलाल , राकेश एवं देवेंद्र चंदेल सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के गणमान्य सेवाभावी कार्यकर्ताओं सज्जन लाटा, योगेश गौड़, रतन सिंह शेखावत, महेंद्र चौबे, भागीरथ शर्मा, पदम सिंह राठौड़, मुखराम जी मील, गौरीशंकर शर्मा एवं धर्मपाल बीका ने भी शिविर के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं में सक्रिय योगदान देकर सेवा कार्य को साकार रूप प्रदान किया। शिविर प्रभारी पुनीत लाटा ने बताया कि भाविप के इस सेवा प्रकल्प को क्षेत्रवासियों ने अत्यंत सराहनीय एवं जनहितकारी पहल बताया।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की जिला बैठक संपन्न

हमारा समाचार @ चूरू

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान विद्यालय शिक्षा जिला चूरू की जिला स्तरीय बैठकजिलाध्यक्ष शिव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।चूरू खंड मंत्री कन्हैयालाल सैनी ने बताया कि बैठक में द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण एवं पदोन्नति के पश्चात पदस्थापन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने की मांग की गई। साथ ही पदोन्नति अथवा स्थानांतरण के कारण प्रभावित शिक्षकों के उपार्जित अवकाश को पुनः बहाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

प्रदेश महिला मंत्री सुशीला कस्वां ने

बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत त्रिभाषा सूत्र को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा विद्यालयों में आवश्यक संसाधनों एवं शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।इसके अतिरिक्त शिक्षकों की भर्ती में टीईटी (टीईटी) अनिवार्यता समाप्त करने सहित सहित शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अन्य समसामयिक विषयों पर भी चर्चा हुई। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शिक्षकों की समस्याओं के समाधान तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु संगठनात्मक स्तर पर आवश्यक प्रयास जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण कुमार सैनी, पर्यवेक्षक के रूप में सीकर जिलाध्यक्ष कल्याण सिंह जी, चूरू मंत्री मनोज गौड़,उपाध्यक्ष प्रभुदयाल सैनी, महिला मंत्री कौशल्या चौधरी,रेणु सुईवाल चूरू खंड अध्यक्ष चिमनलाल शर्मा,जिला संगठन मंत्री होशियार चंद्र, लक्ष्मणदान चारण, केशरदेव भाटी, प्रमेंद्र सिहाग, अनुपम सैनी,संगठन के जिला पदाधिकारियों, खंड प्रतिनिधियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों के हितों की रक्षा तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए महासंघ निरंतर सक्रिय रूप से कार्य करता रहेगा।

बाड़मेर पुलिस का डबल एक्शन, पिस्टल बरामद व साइबर मददगार गिरफ्तार

हमारा समाचार @ जयपुर

बाड़मेर जिले में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त, तस्करी और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट के निर्देशन में एक कड़ा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश आर्य और वृत्ताधिकारी रमेश कुमार शर्मा के सुपरविजन में सदर थानाधिकारी करतार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने महाबार पुलिया के पास बाईपास रोड पर विशेष नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध सफेद रंग की क्रेटा कार को रुकवाकर दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कार का पीछा कर दबोचे आरोपी, हिस्ट्रीशीटर के कब्जे से मिली पिस्टल

सदर थाने के उप निरीक्षक बगडुराम मय टीम द्वारा सरहद महाबार पुलिया बाईपास रोड पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध क्रेटा कार संख्या जीजे 09 बीके 5827 आती दिखाई दी, जिसने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए संदिग्ध वाहन का पीछा किया और उसमें सवार जयसिंह (25) पुत्र हीरसिंह राजपूत निवासी जीवराज सिंह की ढाणी परो, बाड़मेर तथा प्रवीणसिंह (20) पुत्र सरदारसिंह राजपूत निवासी डंडकला, रणजीतपुरा, जिला बीकानेर को दस्तयाब किया। आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से बिना लाइसेंस की 02 अवैध पिस्टल मय मैग्जीन और 01 जिंदा कारतूस बरामद कर क्रेटा वाहन को जब्त कर लिया गया। सदर पुलिस ने अवैध हथियारों को जब्त कर दोनों मुलजिमों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जयसिंह बाड़मेर ग्रामीण थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पूर्व में भी 04 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में सदर थाने के आसूचना अधिकारी कांस्टेबल शंकरसिंह की विशेष और उत्कृष्ट भूमिका रही। टीम में थानाधिकारी करतार सिंह, उ.नि. बगडुराम, कांस्टेबल सुरेशकुमार, नरेशकुमार, भरतकुमार, नरेन्द्रकुमार तथा डीसीआरबी प्रभारी भूपेन्द्रसिंह शामिल रहे।

'ऑपरेशन म्यूल हंटर' के तहत साइबर अपराधियों के मददगारों पर कार्रवाई

दूसरी बड़ी कार्रवाई में बाड़मेर पुलिस ने देशव्यापी साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत प्रभावी कार्रवाई को अंजाम दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश आर्य व प्रभुदयाल के सुपरविजन तथा बाड़मेर ग्रामीण थानाधिकारी विक्रम चारण के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साइबर ठगों को अपने बैंक खाते उपलब्ध करवाने वाले म्यूल खाता धारकों और बिचौलियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 03 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मात्र 3000 के कमीशन के लालच में बेच रहे ठगे ईमान

बाड़मेर ग्रामीण पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की तकनीकी जांच और शिकायतों के विश्लेषण के आधार पर पाया गया कि स्थानीय स्तर पर कुछ युवा चंद रुपयों के लालच में साइबर ठगों के मददगार बन रहे हैं।

आरोपी मात्र 3000-3000 रुपये का कमीशन लेकर बिचौलियों के माध्यम से अपने बैंक खातों की पासबुक, एटीएम कार्ड, चेक बुक और खातों से लिंक सिम कार्ड सीधे साइबर अपराधियों को सौंप देते थे। इन खातों का उपयोग ठगी की राशि को देश-विदेश में ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था। इस जुर्म में पुलिस ने प्रकाश (21) पुत्र आत्माराम मेघवाल निवासी लुणु, शंकराराम (25) पुत्र प्रभुराम मेघवाल निवासी भादरेश और रमेश कुमार (23) पुत्र चुनाराम जाट निवासी नोखड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में सउनि हरीराम, कांस्टेबल प्रवीण कुमार, मालमसिंह, रतनसिंह और किशनलाल शामिल रहे।

जेएलएन अस्पताल ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 15 सफल ऑपरेशन

दूरबीन तकनीक से पित्त की थैली निकालने की 15 सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी

हमारा समाचार @ अजमेर

अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल ने सर्जरी क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल में एक ही दिन में 15 लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी (दूरबीन से पित्त की थैली निकालने के ऑपरेशन) सफलतापूर्वक किए। अस्पताल प्रशासन ने इसे एक उपलब्धि बताया है और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया बुक रिकॉर्ड्स, लिम्का बुक ऑफ़ रिकार्ड्स में शामिल कराने के प्रयास शुरू कर दिए है।प्रिंसिपल डॉ. अनिल सामरिया, अस्पताल अधीक्षक (एमएस) डॉ. अरविंद खरे ने बताया-एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। ये उच्च तकनीकी दक्षता, उत्कृष्ट समन्वय और अनुभवी टीम से सम्भव हो पाया है। सभी ऑपरेशन मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के तहत अत्यंत आधुनिक उपकरणों से निशुल्क किए गए। वरिष्ठ सर्जन डॉ. श्याम भूतड़ा के मार्गदर्शन में डॉ. शिवकुमार बुनकर, डॉ.नरेश एवं उनकी टीम, सर्जिकल टीम में डॉ. हितेश, डॉ. मेरुल, डॉ. आशुतोष, डॉ. पारस तथा डॉ. कौशल, एनेस्थीसिया टीम में डॉ. अरविंद खरे, डॉ. पूजा माथुर, डॉ. रतन एवं डॉ. प स्त नर्सिंग एवं तकनीकी स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। डॉ. शिवकुमार बुनकर ने बताया-यह उपलब्धि पूरी टीम की सामूहिक मेहनत, समर्पण एवं मरीजों के विश्वास का परिणाम है।

आधुनिक दूरबीन तकनीक से मरीजों को कम दर्द, कम रक्तस्राव, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ लाभ मिलता है।

जयपुर पुलिस आयुक्त ने चित्रकूट थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों को दी राहत

हमारा समाचार @ जयपुर

जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शनिवार को चित्रकूट थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश भी दिए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) अजय सिंह, पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजेश कुमार गुप्ता एवं सहायक पुलिस आयुक्त वैशालीनगर अनिल कुमार शर्मा व संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारीगण उपस्थित रहे। सचिन मित्तल ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान कई परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत देने के लिए थाना स्तर में प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र में आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान वैशालीनगर सर्किल के वैशालीनगर, करणीविहार एवं चित्रकूट पुलिस थाना क्षेत्र के परिवादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस आयुक्त को बताकर समाधान पाया।

जनसुनवाई की खास बात यह रही कि परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाता है।

जनसुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएं

समय लगने वाली अन्य समस्याओं के जल्द समाधान के लिए भी निर्देश दिया जाता है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस आयुक्त द्वारा एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा, सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधरनगर, भांकरोटा, बस्सी, शिवदासपुरा, चौमू, आमेर एवं रामगंज में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

कोटा की बिगड़ी बिजली व्यवस्था पर मंत्री का कड़ा रुख

ऊर्जा मंत्री ने KEDL अधिकारियों को तलब कर बिजली व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

हमारा यमाचार @ कोटा

कोटा शहर में लगातार हो रही बिजली ट्रिपिंग, फॉल्ट और उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान में लापरवाही पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने नाराजगी जताई है। शनिवार को उन्होंने निजी बिजली कंपनी (KEDL) के सीईओ मनीष अरोड़ा और टेक्निकल हेड वेंकटेशन कोड़ी को अपने आवास स्थित कार्यालय में तलब किया और बिजली व्यवस्था की बदहाल स्थिति पर जमकर फटकार लगाई। ऊर्जा मंत्री नागर कोटा इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रिक्ट लिमिटेड (KEDL) के अधिकारियों पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि 'मेरे यहां रात से अभी तक 10 बार बिजली गई ', जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली प्रबंधन शहरों से बेहतर चल रहा है। मंत्री ने अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को बार-बार बिजली कटौती से परेशान नहीं होना चाहिए। बैठक में बिजली आपूर्ति, मेंटेनेंस और शिकायत निवारण व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों से जवाब तलब किया गया।

KEDL के फॉल्ट रिपेयरिंग तंत्र (FRT) में कर्मचारियों की भारी कमी

बैठक में मंत्री नागर ने कहा कि चश्चष्ठरु के फॉल्ट रिपेयरिंग तंत्र (FRT) में कर्मचारियों की भारी कमी है, जिससे छोटे-छोटे फॉल्ट ठीक होने में भी लंबा समय लग रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि कोटा की बिजली व्यवस्था में अगले दो महीने में सुधार नहीं हुआ तो सरकार को सख्त निर्णय लेने पड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि कंपनी के अधिकारी आम जनता से दूर रहते हैं और शिकायतों की सुनवाई प्रभावी ढंग से नहीं हो रही। उन्होंने KEDL को जयपुर विद्युत वितरण निगम (JVVNL) की तर्ज पर जवाबदेह प्रशासनिक ढांचा विकसित करने और अधिकारियों के संपर्क नंबर सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

गांवों में कोटा शहर से बेहतर बिजली प्रबंधन

तकनीकी व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए मंत्री नागर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली प्रबंधन कोटा शहर से बेहतर है।

आंधी-तूफान के बाद जहां ग्रामीण इलाकों में जल्द आपूर्ति बहाल हो जाती है,

वहीं शहर में घंटों बिजली गुल रहती है। उन्होंने भीलवाड़ा मॉडल का अध्ययन कर उसे लागू करने के निर्देश दिए।

VCR भरने और कई मामलों के अवैध सेटलमेंट पर भी जताई आपत्ति

ऊर्जा मंत्री ने KEDL द्वारा ऑफलाइन सतर्कता जांच रिपोर्ट (VCR) भरने और कथित रूप से मामलों के अवैध सेटलमेंट पर भी गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने इसे संभावित भ्रष्टाचार का संकेत बताते हुए मामले की समीक्षा के निर्देश दिए। साथ ही ट्रिपिंग, फॉल्ट, शटडाउन और जले ट्रांसफार्मरों की रोजाना रिपोर्ट सरकार को भेजने के आदेश दिए। मंत्री ने कहा कि अब कोटा की बिजली व्यवस्था में सुधार हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा।

हाई कोर्ट के फैसले से खुल गया रास्ता, राजस्थान में खनिज ब्लॉकों की फिर से होगी नीलामी, भरेगा सरकार का खजाना

हमारा समाचार @ जयपुर

जोधपुर हाई कोर्ट की मुख्य पीठ ने हाल ही में एक अहम फैसला सुनाते हुए खनन मामलों में वर्ष 2014-15 के दौरान बिना नीलामी जारी किए गए 500 से अधिक प्रोस्पेक्टिंग लाइसेंस (पीएल) और लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) को निरस्त करने संबंधी सिंगल बेंच के आदेश को पलट दिया। दरअसल सरकार ने वर्ष 2014-15 में एलओआई और पीएल जारी करने के बाद खदानों की लीज देने से इनकार कर दिया था। सरकार के इस आदेश के खिलाफ प्रभावित पक्ष हाईकोर्ट पहुंचे थे। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस सुनील बेनीवाल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की ओर से दायर 118 विशेष अपीलों की एक साथ सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत व्यावसायिक हितों से ऊपर जनहित और प्राकृतिक संसाधनों की पारदर्शी नीलामी सर्वोपरि है। राज्य सरकार की ओर से इस मामले में महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद और अतिरिक्त महाधिवक्ता महावीर बिश्नोई ने पैरवी की।

यह था पूरा विवाद

मामला वर्ष 2014-15 का है। उस समय राजस्थान सरकार ने पहले आओ-पहले पाओ की नीति के तहत महज दो से पांच दिनों के भीतर 500 से अधिक पीएल और एलओआई जारी कर दिए थे। भारी अनियमितताओं की शिकायतों के बाद अक्टूबर 2015 में राज्य सरकार ने पारदर्शिता की कमी का हवाला देते हुए सभी आवंटनों को एक साथ रद्द कर दिया था। सरकार के इस फैसले के खिलाफ निजी खदान मालिक और कंपनियां हाईकोर्ट की सिंगल बेंच में पहुंची थीं, जहां उन्हें राहत मिल गई थी। सिंगल बेंच के इसी फैसले को राज्य सरकार ने डिवीजन बेंच में चुनौती दी थी। अब इस मामले पर अंतिम फैसला आ गया है।

क्या है पीएल और एलओआई

पीएलः जमीन के नीचे खनिजों की खोज, जांच और सैंपलिंग करने के लिए दिया जाने वाला प्रारंभिक सरकारी लाइसेंस।

एलओआईः खनन का स्थायी अधिकार देने से पहले सरकार की ओर से जारी किया जाने वाला सशर्त स्वीकृति पत्र या कानूनी आश्वासन।

तीन कानूनी बिंदुओं को आधार बनाया

2021 का कानून संशोधन; कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में वर्ष 2021 में किए गए संशोधन का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि नए कानून के तहत गैर-नीलामी वाले जितने भी पुराने मामले लंबित हैं, जिनमें अंतिम लीज डीड पंजीकृत नहीं हुई थी, वे अब कानूनन स्वतः समाप्त माने जाएंगे।

एलओआई मिलने से मालिकाना हक नहीं; अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने मामलों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि केवल आवेदन करने या प्रारंभिक मंशा पत्र जारी होने से किसी व्यक्ति या कंपनी को सरकारी भूमि या राज्य के खनिजों पर कोई स्थायी कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं हो जाता।

नीलामी ही एकमात्र पारदर्शी रास्ता; अदालत ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का आवंटन केवल प्रतिस्पर्धी नीलामी के जरिए ही होना चाहिए। इससे राज्य के राजस्व को नुकसान नहीं होता और जनहित की पूरी तरह रक्षा होती है।

खजाने में आएगा राजस्व

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद प्रदेश के विवादित रहे इन सभी खनिज ब्लॉकों को नए सिरे से पारदर्शी तरीके से नीलामी में शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है। इससे राज्य सरकार के खजाने में हजारों करोड़ रुपए के राजस्व की संभावना बढ़ गई है। न्यायालय ने उन पीएल धारकों को कुछ राहत भी दी है, जिन्होंने जमीन पर प्रारंभिक खोज कार्य में वास्तविक खर्च किया था। ऐसे धारक नियमों और कानूनी प्रावधानों के तहत सरकार से अपने खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए विधिवत आवेदन कर सकते हैं।

युवक पर जानलेवा कर हाथ-पैर तोड़े

हमारा समाचार @ जयपुर

पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक युवक पर जानलेवा हमले की घटना ने सनसनी फैला दी। स्थानीय लोगों की मदद से उसे लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया। उसके हाथ-पैर में फ्रैक्चर हुआ है।

पुलिस के अनुसार हमले का शिकार राकेश पुत्र रतनलाल मूलतः केकडी अजमेर का रहने वाला है। प्रकरण में उसके भाई भागचन्द ने एफआईआर दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार 28 मई को रात करीब साढे नौ बजे राकेश अपने साथी के साथ दुकान से निकला था। रास्ते में सामने से आई कैंपर गाडी सवार बदमाशों ने उसकी कार को टक्कर मारकर रोका। इसके बाद आरोपी तेजा और भीमा निवासी हरियाणा ने राकेश को बाहर निकालकर सडक़ पर पटक कर लाठी-सरियों से ताबड़तोड़ वार कर हाथ-पांव तोड़ दिए। रिपोर्ट में हमले के पीछे राजेश सांगवान और गिर्राज निठारवाल निवासी तुंगीपुरा सुस्तीपुरा डाबीच का हाथ बताया जा रहा है।

सोने की खान का विवादः जानकारी के अनुसार हमलावर और हमले का शिकार पहले पार्टनरशिप में काम करते थे। दिल्ली में सोने की खान एलएलपी नाम से दुकान चलाकर आर्टिशियल और सोने की परत चढ़े गहने बेचे जाते थे। आरोप है कि हमलावर और हमले के मास्टर माइण्ड कारोबार में गड़बड़ी करने लगे तो राकेश ने जयपुर के इस्कॉन मंदिर के पास सोने की खान प्रालि. के नाम से कारोबार शुरू कर दिया। हमलावरों ने भी इसी नाम से मिलती-झुलता नाम रखकर केसर चौराहे के पास धंधा शुरू किया।

भवन नियम उल्लंघन और विवादित स्वीकृतियों के मामलों के बाद नई व्यवस्था लागू

कल से बदलेगा बिल्डिंग अप्रूवल का खेल, डिजिटल हस्ताक्षर से दस्तावेजों पर नजर!

एक जून से मानचित्र, कम्प्लीशन और ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट के लिए डिजिटल हस्ताक्षर होंगे अनिवार्य

हमारा समाचार @ जयपुर

राजस्थान में भवन निर्माण स्वीकृतियों की पूरी व्यवस्था कल यानी 1 जून से बड़े डिजिटल बदलाव के दौर में प्रवेश करने जा रही है। राज्य सरकार ने भवन मानचित्र स्वीकृति, पूर्णता प्रमाण-पत्र (कम्प्लीशन सर्टिफिकेट) और ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में डिजिटल हस्ताक्षर को अनिवार्य करने का फैसला लिया है। नगरीय विकास एवं आवासन (यूडीएच) विभाग के इस निर्णय को केवल एक तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि भवन स्वीकृति प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और निगरानी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा प्रशासनिक सुधार माना जा रहा है।

दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश के कई शहरी क्षेत्रों में भवन नियमों के उल्लंघन, विवादित मानचित्र स्वीकृतियों और नियमों के विपरीत जारी किए गए कम्प्लीशन तथा ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। कई मामलों में यह आरोप भी सामने आए कि भवन निर्माण से जुड़े दस्तावेजों का सत्यापन और जवाबदेही तय करना मुश्किल हो जाता था। कुछ मामलों में संबंधित वास्तुविदों (आर्किटेक्ट्स) के पंजीकरण तक रद्द करने की नौबत आ गई। इन्हीं घटनाओं के बाद सरकार ने पूरी प्रक्रिया को डिजिटल निगरानी के दायरे में लाने का निर्णय लिया। नई व्यवस्था के तहत अब भवन निर्माण से जुड़े दस्तावेज केवल डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से ही प्रमाणित किए जा सकेंगे। यानी किसी भी भवन मानचित्र, कम्प्लीशन सर्टिफिकेट या ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट को जारी करने वाले वास्तुविद् की पहचान डिजिटल रूप से दर्ज होगी और उसका पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन सुरक्षित रहेगा। इससे यह स्पष्ट रहेगा कि किस दस्तावेज को किसने तैयार किया, किस अधिकारी या वास्तुविद् ने प्रमाणित किया और उसके लिए जवाबदेही किसकी होगी। सरकारी अधिकारियों के अनुसार इसके लिए एक नया डिजिटल पोर्टल भी विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से भवन स्वीकृति प्रक्रिया की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी। पोर्टल पर सभी दस्तावेजों का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा, जिससे भविष्य में किसी भी शिकायत, विवाद या जांच की स्थिति में रिकॉर्ड तुरंत उपलब्ध कराया जा सकेगा। विभाग का मानना है कि इससे फर्जी दस्तावेजों, गलत प्रमाणन और नियमों की अनदेखी कर जारी की जाने वाली स्वीकृतियों पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा।

नई व्यवस्था होगी और अधिक पारदर्शी, बढ़ेगी जवाबदेही और सुरक्षा

राजस्थान पहले ही भवन मानचित्र स्वीकृति की कई प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर चुका है। वर्ष 2020 में राज्य सरकार ने भवन मानचित्र अनुमोदन प्रक्रिया को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने की शुरुआत की थी, ताकि स्वीकृति प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया जा सके। अब डिजिटल हस्ताक्षर की अनिवार्यता के साथ इस व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित तथा जवाबदेह बनाया जा रहा है। इस बदलाव को हाल ही में लागू किए गए मॉडल राजस्थान बिल्डिंग रेगुलेशंस-2025 से भी जोड़कर देखा जा रहा है। राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भवन निर्माण गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित और नियमबद्ध बनाने के लिए नए भवन विनियम लागू किए हैं। इसके तहत निर्माण स्वीकृतियों, पंजीकृत वास्तुविदों की जिम्मेदारियों और तकनीकी अनुमोदनों को लेकर भी कई प्रावधान जोड़े गए हैं।

डिजिटल हस्ताक्षर आधारित प्रणाली लागू होने से बंद होगा फर्जीवाड़ा

विशेषज्ञों का कहना है कि भवन निर्माण क्षेत्र में डिजिटल हस्ताक्षर आधारित प्रणाली लागू होने से सबसे बड़ा फायदा दस्तावेजों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में होगा। किसी भी दस्तावेज में बाद में छेड़छाड़ करना आसान नहीं होगा, वहीं ऑनलाइन रिकॉर्डिंग के कारण फाइलों की ट्रैकिंग भी बेहतर तरीके से हो सकेगी। इससे प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार तथा अनियमितताओं की संभावनाएं कम होंगी। शहरी विकास से जुड़े जानकारों का मानना है कि राजस्थान में तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण और निर्माण कार्यों के बीच यह कदम काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा और अन्य बड़े शहरों में लगातार बढ़ रहे निर्माण कार्यों के चलते भवन स्वीकृति प्रक्रिया को तकनीक आधारित बनाना समय की जरूरत माना जा रहा था। ऐसे में 1 जून से लागू होने जा रही यह नई व्यवस्था न केवल भवन निर्माण अनुमोदन प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाएगी, बल्कि पूरे शहरी विकास प्रशासन में डिजिटल जवाबदेही का नया मॉडल भी स्थापित कर सकती है।

जरूरी थी डिजिटल सिग्नेचर की प्रक्रिया, आमजन को होगा फायदा

पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश के कई शहरों में भवन नियमों के उल्लंघन, विवादित मानचित्र स्वीकृतियों और गलत कम्प्लीशन सर्टिफिकेट जारी होने के मामले सामने आए थे। कई मामलों में जिम्मेदारी तय करने और दस्तावेजों की सत्यता जांचने में भी परेशानी आई। कुछ आर्किटेक्ट्स के पंजीकरण तक निरस्त करने पड़े। ऐसे मामलों के बाद सरकार ने पूरी प्रक्रिया को डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ने का फैसला लिया ताकि प्रत्येक स्वीकृति की जवाबदेही तय हो सके। नई व्यवस्था लागू होने के बाद भवन स्वीकृति प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनने की उम्मीद है। नागरिकों को ऑनलाइन रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा, दस्तावेजों के सत्यापन में आसानी होगी और स्वीकृति प्रक्रिया की निगरानी बेहतर ढंग से हो सकेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल रिकॉर्डिंग से भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की संभावना कम होगी, वहीं भवन निर्माण से जुड़े विवादों के निस्तारण में भी आसानी आएगी।

सुप्रीम-कोर्ट का फैसलाः पैरोल के बावजूद 24 दिन जेल में रखा, पीड़ित को 11 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश

हमारा समाचार @ जयपुर

सुप्रीम कोर्ट ने पैरोल आदेशों के बावजूद एक कैदी को 24 दिन तक जेल में रखने के मामले में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पीड़ित को 11 लाख रुपए का मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट से पैरोल के आदेशों के बावजूद कैदी को रिहा करने में 24 दिन की देरी को अवैध रूप से हिरासत में रखना माना गया है। जस्टिस संजय करोल और अगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने दाऊदयाल बनाम राजस्थान सरकार के मामले में 29 मई को यह फैसला सुनाया है। प्रशासनिक लेटलतीफी पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणियां की हैं। कोर्ट ने साफ किया कि कोई व्यक्ति दोषी है, केवल इसलिए उसके मानवाधिकार कम नहीं हो जाते। प्रशासनिक देरी किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन नहीं कर सकती। कोर्ट ने जेल से रिहाई में देरी के पीछे राज्य सरकार का यह तर्क खारिज कर दिया कि वे आदेश को चुनौती देने पर विचार कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जब तक ऊपरी अदालत से स्टे नहीं मिले, तब तक अदालत के आदेश का पालन करना अनिवार्य है।

अपीलकर्ता दाऊदयाल को अलवर की अदालत ने 1988 में गैर इरादतन हत्या से जुड़े केस में 4 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। अपील खारिज होने के बाद 23 दिसंबर 2021 को गिरफ्तार किया गया, तब से लेकर वह जेल में था। 3 दिसंबर 2023 को स्थायी पैरोल के लिए आवेदन किया था। 18 जनवरी 2024 को खारिज कर दिया गया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। हाईकोर्ट की सिंगल बैंच ने 5 नवंबर 2024 को एक लाख रुपए के निजी मुचलके और 50,000 रुपए के जमानती पेश करने पर रिहा करने का आदेश दिया था।

प्रशासनिक लापरवाही से पैरोल के बावजूद जेल में रहा

हाईकोर्ट के आदेशों तक अपीलकर्ता कुल 4 साल की सजा में से 3 साल 2 महीने और 20 दिन की सजा काट चुका था, उसकी 9 महीने 10 दिन की सजा बाकी थी। हाईकोर्ट सिंगल बेंच के 5 नवंबर 2024 के आदेशों के बावजूद उसे रिहा नहीं किया गया। जमानतदारों के दस्तावेजों का वेरिफिकेशन और जरूरी कागजी औपचारिकताएं 13 नवंबर 2024 को पूरी हो गई थीं, लेकिन उसे रिहा नहीं किया गया। इसके बाद डिवीजन बेंच में अपील की गई। डिवीजन बेंच के आदेश पर 6 दिसंबर 2024 को रिहा किया गया। इस तरह अपीलकर्ता को हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी 24 दिन तक अवैध रूप से जेल में बंद रखा गया।

कैदी को रिहा करने के आदेश का पालन करना अनिवार्य

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा- अपीलकर्ता 24 दिनों तक अवैध हिरासत में रखे जाने के लिए मुआवजे का हकदार है। किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता कोई छोटा मुद्दा नहीं है। राज्य किसी अदालत के आदेश के बावजूद, किसी विशेष मामले में अपील दायर करने या न करने के बारे में फैसले लेने की अपनी धीमी ब्यूरोक्रेटिक प्रक्रियाओं के कारण किसी व्यक्ति की आजादी को सीमित नहीं कर सकता। एक बार जब कैदी को रिहा करने का आदेश दे दिया गया है तो उसका पालन करना अनिवार्य है, चाहे कुछ भी हो जाए।

पुलिस मुख्यालय ने की उत्कृष्ट कार्य करने वाले 123 अधिकारियों की लिस्ट जारी

आईजी राहुल प्रकाश व धौलपुर एसपी विकास सांगवान को तीसरी बार डीजीपी डिस्क सम्मान

हमारा समाचार @ जयपुर

राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने सराहनीय सेवाओं और उत्कृष्ट कार्य के लिए साल-2026 की डीजीपी डिस्क और प्रशस्ति रोल लिस्ट जारी कर दी है। जारी लिस्ट में आईपीएस, आरपीएस, निरीक्षक, उपनिरीक्षक, एएसआई, हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल स्तर तक कुल 123 अधिकारियों-कर्मचारियों को डीजीपी डिस्क और प्रशस्ति रोल के लिए चयनित किया गया है। अपराध नियंत्रण, साइबर अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नवाचार आधारित पुलिसिंग में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों का चयन किया गया है। आईजी राहुल प्रकाश और धौलपुर एसपी विकास सांगवान को तीसरी बार मिलेगा डीजीपी डिस्क सम्मान का सम्मान मिलेगा।

IPS सुमित मेहरड़ा को भी पहली बार डीजीपी डिस्क

वर्तमान में साइबर क्राइम शाखा में पदस्थ सुमित मेहरड़ा को पहली बार डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया जाएगा। जयपुर में डीसीपी ट्रैफिक रहते हुए उन्होंने यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए लगातार फील्ड में सक्रिय भूमिका निभाई। ट्रैफिक सुधार के लिए किए गए नवाचार और प्रभावी मॉनिटरिंग को इस सम्मान का आधार माना गया है।

झालावाड़ एसपी अमित बुढ़ानिया को दूसरी बार

झालावाड़ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार (अमित बुढ़ानिया) को दूसरी बार डीजीपी डिस्क मिलेगी। उनके नेतृत्व में जिले में रोडवेज टिकट चोरी गिरोह, सूदखोरी नेटवर्क और बिजली चोरी माफियाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी। कई अभियानों को अन्य राज्यों ने भी मॉडल के रूप में देखा।

धौलपुर एसपी विकास सांगवान को तीसरी बार

धौलपुर के पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान को लगातार प्रभावी कार्यों के लिए तीसरी बार डीजीपी डिस्क प्रदान की जाएगी। चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले धौलपुर जिले में उन्होंने अवैध बजरी परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया। इसके साथ ही अपराधों में कमी लाने और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही।

हरिशंकर को पहली बार सम्मान

श्रीगंगानगर के पुलिस अधीक्षक हरिशंकर को पहली बार डीजीपी डिस्क प्रदान की जाएगी। इससे पहले वे हनुमानगढ़ जिले में भी पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं। दोनों जिलों में अपराध नियंत्रण, पुलिसिंग में सुधार और प्रभावी प्रशासनिक कार्यशैली के चलते उनके काम को पुलिस मुख्यालय ने सराहा है।

IPS जय यादव को तीसरी बार डीजीपी डिस्क

जय यादव को तीसरी बार डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया जाएगा। चूरू के पुलिस अधीक्षक रहते हुए उन्होंने अपराधियों की गिरफ्तारी और निगरानी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का अभिनव प्रयोग किया। गैंगस्टरों और संगठित अपराध के खिलाफ उनके कार्यकाल में हुई कार्रवाई को पुलिस मुख्यालय ने विशेष रूप से सराहा। वर्तमान में वे सीमा सुरक्षा बल (बीएसफ) में डीआईजी के पद पर कार्यरत हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रामनिवास मंडोलिया के लिए डी.बी. कॉर्प लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शिवदासपुरा टोंक रोड जयपुर राज. से मुद्रित एवं 84 मंडोलियों की ढाणी जोबनेर रोड कालवाड़ जयपुर, (राज.) से प्रकाशित, संपादक रामनिवास मंडोलिया मो.- 9461162346, सिटी कार्यालयः आर 20 बी-6 श्रीधाम युधिष्ठर मार्ग, सी स्कीम जयपुर 302005।